04 - अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प के अगले फैसला से भय

05 - गांव में विकास के लिए जरूरी है सड़क

A Daily News Magazine
भोपाल
बुधवार, 05 फरवरी, 2025

06 - मंडी में 3200 रुपये क्विंटल बिक रहा गेहूं, बाजार में 3500 रूपये तक पहुंचा

07 - भिक्षावृत्ति पर रोक, सिग्नल-चौराहों पर जांच करेंगी टीमें

भोपाल एवं इंदौर से एक साथ प्रकाशित

वर्ष -22 अंक-156 नगर संस्करण, पृष्ठ -8, मूल्य रू.- 2 (डाक पंजीयन संख्याः म.प्र./भोपाल/4-391/2018-20)

सुबह सवेरे

subahsaverenews@gmail.com
facebook.com/subahsaverenews
www.subahsavere.news
twitter.com/subahsaverenews

चुनाव विश्लेषण

क्या डॉलर के दम पर चीन जैसे भस्मासुर से निपटेगा अमेरिका?

कमलेश पांडे

चीन दुनिया का सबसे शक्तिशाली देश बनना चाहता है और ऐसा वह उस अमेरिका की कीमत पर करना चाहता है, जिसने उसके नवनिर्माण और समुत्थान में महती भूमिका निभाई है। हालांकि अमेरिका भी इसे भलीभांति समझ चुका है और समुपस्थित विभिन्न परिस्थितियों से निपटने के लिए रणनीतिक रूप से आगे बढ़ रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और विदेश मंत्री मार्को रूबियो के डॉलर की चिंता और उसके लिए जिम्मेदार चीन सम्बन्धी हालिया बयानों पर जब आप गौर करेंगे तो यह समझ जाएंगे कि अमेरिका की चिंता सिर्फ डॉलर की गिरती साख को ही बचाने की नहीं है बल्कि वह सोवियत संघ की भांति ही अब चीन को भी निपटाने की रणनीति पर फोकस कर चुका है।

ऐसे में सुलगता सवाल यह है कि क्या अमेरिका सिर्फ डॉलर के दम पर चीन जैसे भस्मासुर से निपटेगा या फिर कुछ अन्य मौजूं उपाय भी करेगा! उल्लेखनीय है कि अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में अमेरिकी डॉलर की जगह किसी और मुद्रा के इस्तेमाल की कवायद जिस तरह से चीन कर-करवा रहा है और इस नजरिए से ब्रिक्स देशों यानी रूस-ब्राजील आदि को ढाल बनाए हुए है, उससे अमेरिका भड़क चुका है और सम्बन्धित देशों को खुलेआम धमकियां देनी भी शुरू कर दी है। चीन के खिलाफ ताइवान का हथकंडा और दक्षिण चीन सागर विवाद को शह देने और रूस के खिलाफ यूक्रेन को भड़काते रहने और नाटो देशों से सहयोग दिलवाने के पीछे की व्यापक रणनीति भी तो इसी बात की चुगली करती है।

वहीं, ब्रिक्स देशों की सम्भावित वैकल्पिक मुद्रा से डॉलर के समक्ष उत्पन्न होने वालों खतरों के सम्भावित दुष्परिणामों के बारे में अमेरिका ने जिस तरह से आगाह करना शुरू कर दिया है, उससे भारत समेत कतिपय ब्रिक्स देश भी सकते में हैं, आशंकित हैं और अपने बचाव में तर्क भी दे चुके हैं।

गौरतलब है कि पिछले कुछ वर्षों में जब ब्रिक्स के कुछ सदस्य देश विशेष रूप से चीन-रूस अमेरिकी डॉलर का विकल्प या ब्रिक्स मुद्रा की मांग कर रहे हैं, तब भारत 'डी-डॉलराइजेशन' यानी 'विश्व व्यापार और वित्तीय लेनदेन में डॉलर के उपयोग में कमी' के खिलाफ है। दिसम्बर 2024 में ही भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा था कि भारत कभी भी 'डी-डॉलराइजेशन' के पक्ष में नहीं रहा है व ब्रिक्स मुद्रा बनाने का कोई प्रस्ताव नहीं है।

बता दें कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ने चेतावनी दी है कि अगर ब्रिक्स देश अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में अमेरिकी डॉलर की जगह किसी और मुद्रा के इस्तेमाल का प्रयास करेंगे तो वह उन पर 100 प्रतिशत शुल्क लगा देंगे। उन्होंने दो टूक शब्दों में कहा कि ब्रिक्स देश डॉलर से दूर जाने की कोशिश करें और हम खड़े होकर बस देखते रहें, इस तरह के विचारों के दिन लद चुके हैं। लिहाजा, वह ब्रिक्स देशों से यह प्रतिबद्धता चाहते हैं कि वे न तो नई मुद्रा बनाएंगे और न ही किसी अन्य मुद्रा का समर्थन करेंगे।

वहीं, अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने भी कहा है कि इस मसले पर चीन से हमें निपटना होगा। हालांकि उन्होंने स्पष्ट किया है कि हम इस मुद्दे पर युद्ध नहीं चाहते हैं, लेकिन हम इस पर गौर करने जा रहे हैं। क्योंकि चीन दुनिया का सबसे शक्तिशाली देश बनना चाहता है और वे ऐसा हमारी कीमत पर करना चाहते हैं। इससे निपटना होगा। बता दें कि चीन की वैश्विक रणनीति को लेकर अमेरिका अब सजग हो चुका है और आर्कटिक व दक्षिण अमेरिका में चीनी गतिविधियों से उतपन्न खतरे को निर्मूल करने के लिए ही ग्रीनलैंड पर कब्जा करने, पनामा नहर पर पुनः नियंत्रण पाने और कनाडा को अमेरिका में मिलाने जैसी दूरदर्शिता भरी रणनीति का आगाज समय रहते ही कर चुका है, भले ही वह पहले जितना आसान नहीं हो।

जानकार बताते हैं कि रूस-चीन-ब्राजील जैसे ब्रिक्स देश अमेरिकी डॉलर और यूरो पर अपनी निर्भरता कम करना चाहते हैं। इसी नजरिए से साल 2022 में 14वें ब्रिक्स समिट के दौरान रूस के राष्ट्रपति ब्लादिमीर पुतिन ने कहा था कि सदस्य देश नई रिजर्व करेंसी शुरू करने की योजना बना रहे हैं। इसके अलावा, ब्राजील के राष्ट्रपति लूला डी सिल्वा ने भी डॉलर के दबदबे को कम करने के लिए ब्रिक्स करेंसी बनाने का सुझाव दिया था। क्योंकि आंकड़े बताते हैं कि वैश्विक मुद्रा भंडार के रूप में डॉलर का हिस्सा 59 प्रतिशत है, जबकि दुनिया के कुल कर्ज में 64 प्रतिशत का लेनदेन डॉलर में होता है। वहीं, अंतर्राष्ट्रीय लेनदेन में भी डॉलर की 58 प्रतिशत हिस्सेदारी है।

खास बात यह है कि यूरोपीय संघ बनने और उसकी मुद्रा यूरो के अस्तित्व में आने के बाद से डॉलर के दबदबे में कमी आई है, लेकिन अभी भी यह सबसे अधिक चलन वाली मुद्रा बनी हुई है। ऐसे में यदि ब्रिक्स देश भी कोई नई मुद्रा ले आते हैं तो इससे डॉलर का मूल्य घटेगा। शायद इसलिए अमेरिका अब चौकन्ना हो चुका है और इस नए सम्भावित संकट से निबटने के लिए साम-दाम-दंड-भेद की नीति अख्तियार कर लिया है। ब्रिक्स देशों के बीच भारत के परिवर्तित स्टैंड से भी उसे राहत मिली है।

उल्लेखनीय है कि ब्रिक्स देश दुनिया के उन दस महत्वपूर्ण देशों का संगठन है, जो पश्चिमी देशों के जी-7 और नाटो जैसे दबंग देशों से समान प्रतिस्पर्धा करने के लिए खुद को एकजुट किये हुए हैं। ब्रिक्स के सदस्य देशों की अर्थव्यवस्था 25.5 ट्रिलियन से अधिक है जो वैश्विक अर्थव्यवस्था का 28 प्रतिशत है। इन आंकड़ों से स्पष्ट है कि जहां जीडीपी के मामले में ब्रिक्स देशों में भारत का चीन के बाद दूसरा स्थान है, वहीं अमेरिका से होने वाले कारोबार में भी उसकी एक महत्वपूर्ण हिस्सेदारी है। इसलिए न तो ब्रिक्स देश भारत की अवहेलना करने की सोच पाएंगे और न ही अमेरिका उसकी उपेक्षा कर पाएगा। इतने बड़े कारोबारी फायदे को अमेरिका गंवाना नहीं चाहेगा। क्योंकि इसे गंवाने का सीधा असर उसकी यही वजह है कि समय रहते ही अमेरिका ने ब्रिक्स देशों की मुखालफत शुरू कर दी है, जिससे ब्रिक्स देशों की परेशानी निकट भविष्य में बढ़ सकती है।

इसी बीच चीन से एक बड़ी गलती यह हो गई कि वह भारत से उलझ गया, जिससे भारत पुनः सावधान हो गया और उसने रूसी मित्रता के साथ-साथ अमेरिका-इजरायल से प्रगाढ़ सम्बन्ध स्थापित कर लिए। अमेरिकी नेतृत्व वाले क्वाड देशों में भारत का बढ़ता महत्व भी इसी बात का परिचायक है। वहीं, यह सवाल भी मौजूं है कि क्या डॉलर के दम पर चीन जैसे भस्मासुर से निपटेगा अमेरिका? चीन के मामले में भी यदि वह रणनीतिक रूप से पिट जाए तो किसी को हैरत नहीं होगी।

(प्रभासाक्षी डॉट कॉम पर प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

हमने झूठे नारे नहीं, सच्चा विकास दिया, तब जाकर 25 करोड़ लोग गरीबी से उबरे

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव का जवाब दिया। प्रधानमंत्री ने धन्यवाद प्रस्ताव पर अपने जवाब में कहा, यह मेरा 14वां संबोधन है। मैं बहुत भाग्यशाली हूं कि

- **कहा-गरीबों के घर फोटो सेशन कराने वालों को राष्ट्रपति की बात बोरिंग लगेगी ही**

देश की जनता ने मुझे राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर जवाब देने का 14वीं बार मौका दिया है। इसलिए मैं लोगों का आदरपूर्वक आभार व्यक्त करता हूं। पीएम मोदी ने कांग्रेस पर तंज कसते हुए कहा कि हमने झूठे नारे नहीं, सच्चा विकास दिया तब जाकर 25 करोड़ लोग गरीबी से उबरे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि एनडीए सरकार का ध्यान 'जकूजी' पर नहीं बल्कि भारत के लोगों को पानी का कनेक्शन देने पर है। मोदी ने कहा कि एनडीए के कार्यकाल से पहले, 75 प्रतिशत लोगों या 16 करोड़ से अधिक घरों में नल के पानी का कनेक्शन नहीं था। हमारी सरकार ने पांच साल में 12 करोड़ घरों को नल के पानी का कनेक्शन दिया है। प्रधानमंत्री मोदी ने धन्यवाद प्रस्ताव पर अपने जवाब में कहा कि केंद्र की एनडीए नीत सरकार की योजनाओं के माध्यम से 25 करोड़ लोगों ने गरीबी को हराया है।

संसद में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव का पीएम ने दिया जवाब

40 लाख करोड़ रुपया सीधा जनता के खाते में जमा किया

देश ने मौका दिया, हमने समाधान खोजने का प्रयास किया। बचत भी और विकास भी हमारा मॉडल है। जनता का पैसा जनता के लिए। हमने जन-धन, आधार, मोबाइल की जेम ट्रिनिटी बनाई। डीबीटी से डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर देना शुरू किया।

देश में एक प्रधानमंत्री को मिस्टर क्लीन कहने का फैशन था

उनका गुस्सा समझ सकता हूं। समस्या की पहचान करना एक बात है, अगर जिम्मेवारी है तो समस्या की पहचान करके छिप नहीं सकते। उसके समाधान के लिए समर्पित भाव से लग जाना होता है। हमारा प्रयास समस्या के समाधान का रहता है। हम समर्पित भाव से प्रयास करते हैं। हमारे देश में एक प्रधानमंत्री हुआ करते थे। उनको मिस्टर क्लीन कहने का फैशन हो गया था। उन्होंने कहा था दिल्ली से एक रुपया निकलता है तो गांवों में 15 पैसा पहुंचता है। उस समय तो पंचायत से लेकर पार्लियामेंट तक एक ही पार्टी का राज था। उस समय उन्होंने सार्वजनिक रूप से कहा था कि एक रुपया निकलता है।

सुप्रभात

नज़दीकियों में दूर का
मंज़र तलाश कर
जो हाथ में नहीं है वो
पत्थर तलाश कर
सूरज के इर्द–गिर्द
भटकने से फ़ाएदा
दरिया हुआ है गुम तो
समुंदर तलाश कर
तारीख़ में महल भी है
हाकिम भी तख़्त भी
गुमनाम जो हुए हैं वो
लश्कर तलाश कर
रहता नहीं है कुछ भी
यहाँ एक सा सदा
दरवाज़ा घर का खोल के
फिर घर तलाश कर
कोशिश भी कर उमीद भी
रख रास्ता भी चुन
फिर इस के बाद थोड़ा
मुक़द्दर तलाश कर

– निदा फ़ाज़ली

दिल्ली विधानसभा की 70 सीटों पर वोटिंग आज

- **19 फीसदी प्रत्याशी दागी, 5 की संपत्ति 100 करोड़ पार**

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली विधानसभा की 70 सीटों के लिए 5 फरवरी को सिंगल फेज में वोटिंग होगी। लोकसभा चुनाव में इंडिया ब्लॉक का हिस्सा रहीं 5 पार्टियां एक-दूसरे के खिलाफ मैदान में हैं। इनमें आम आदमी पार्टी और कांग्रेस सभी 70 सीटों पर आमने-सामने हैं। वहीं, कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया ने 6, कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया- मार्कसिस्ट और कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया- मार्कसिस्ट लेनेनिस्ट ने 2-2 सीटों पर अपने प्रत्याशी उतारे हैं। भाजपा ने 68 सीटों पर कैंडिडेट उतारे हैं। दो सीटें सहयोगी पार्टियों को दी है। इसमें जनता दल- यूनाइटेड ने बुराड़ी और लोक जनशक्ति पार्टी- रामविलास ने देवली सीट से प्रत्याशी उतारे हैं। महाराष्ट्र में भाजपा की सहयोगी राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी 30 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। शिवसेना प्रमुख और महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे ने सभी सीटों पर भाजपा को समर्थन दिया है। इसके अलावा बहुजन समाज पार्टी 70 और असदुद्दीन ओवैसी की ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तिहादुल मुस्लिमीन 12 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। चुनाव के नतीजे 8 फरवरी को आएंगे। चुनाव आयोग के मुताबिक निर्दलीय समेत विभिन्न पार्टियों के कुल 699 प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं।

तोड़-मरोड़कर पेश किया सेना प्रमुख का बयान

- **रक्षा मंत्री ने राहुल गांधी को दिलाई 1962 की याद**

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में सोमवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा भारत-चीन सीमा विवाद पर दिए गए बयान को लेकर मंगलवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कड़ा प्रहार किया। उन्होंने राहुल गांधी पर सेना प्रमुख के बयान को तोड़-मरोड़कर पेश करने और संसद में झूठ बोलने का आरोप लगाया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, सेना प्रमुख के बयान को गलत तरीके से पेश किया गया।

सीएम के जापान की पांच दिन की यात्रा से लौटने के बाद पहली कैबिनेट बैठक में हुए अहम फैसले

इंदौर की हुकुमचंद मिल की जमीन पर शॉपिंग-रेसीडेंशियल कॉम्प्लेक्स निर्माण को मंजूरी

भोपाल (नप्र)। मोहन यादव सरकार ने इंदौर की हुकुमचंद मिल की 17.52 हेक्टेयर जमीन पर कॉमर्शियल और रेसीडेंशियल आवास निर्माण के साथ बड़े शॉपिंग कॉम्पलेक्स के निर्माण को मंजूरी दे दी है। इसके साथ ही ड्रोन संवर्धन और सेमी कंडक्टर नीति समेत पीएम आवास योजना 2.0 को भी मंजूरी दे दी गई है।

हुकुमचंद मिल के लिए त्रिपक्षीय समझौते के आधार पर काम किया जाएगा। सरकार इस प्रोजेक्ट में ग्रीनरी पर खास फोकस करेगी। इस मिल की 450 करोड़ रुपए की देनदारी सरकार दे चुकी है।

सीएम के जापान की पांच दिन की यात्रा से लौटने के बाद हो रही पहली कैबिनेट बैठक में मोहन यादव ने मंत्रियों के साथ दौरे के अनुभव साझा किए। इस दौरान जापान की संस्कृति पर चर्चा हुई, साथ ही मुख्यमंत्री ने 24 और 25 फरवरी को होने वाली ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में जापान द्वारा किए जाने वाले संभावित निवेश की जानकारी दी।

एमपी में कई सेक्टर में जापान सहयोगी– मंगलवार को हुई कैबिनेट बैठक में लद्धुस की तैयारियों से जुड़ी कई नीतियों को मंजूरी दी गई। कैबिनेट के फैसलों की जानकारी देते हुए नगरीय विकास और आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने बताया कि ग्लोबल इन्वेस्टर समिट का जापान भी पार्टनर है। भोपाल-इंदौर के बीच मेट्रो रेल प्रौद्योगिकी, स्मार्ट सिटी, शहरी विकास प्लानिंग पर जापान ने सहमति दी है। साथ विशेष चैनल स्थापित करने, हाईस्पीड ट्रेन कॉरिडोर, स्मार्ट ट्रांसपोर्ट सिस्टम पर जापान सहयोग करेगा। कपास से कपड़ा और उससे रेडीमेड गारमेंट बनाने में भी जापान सहयोगी बनेगा।

मध्य प्रदेश सेमी कंडक्टर नीति 2025 को मंजूरी

कैबिनेट ने विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग की मध्य प्रदेश सेमी कंडक्टर नीति 2025 को मंजूरी दे दी है। इस नीति में इन्वेस्टमेंट को बढ़ावा देने पर जोर होगा। कई राज्यों की पॉलिसी का अध्ययन करने के बाद यह नीति बनाई गई है। जीआईएस में दो हजार करोड़ तक का निवेश हो सकता है। रोजगार ज्यादा नहीं मिलता, लेकिन एक ईको सिस्टम तैयार होता है।

ड्रोन पॉलिसी को मंजूरी, कई मामलों में फायदेमंद

मोहन सरकार ने मध्यप्रदेश ड्रोन संवर्धन और उपयोग नीति 2025 को जारी कर दिया है। विजयवर्गीय ने कहा कि कानून व्यवस्था हो या महाकुंभ जैसे आयोजन हों। खेती-किसानी सब जगह ड्रोन काम कर रहा है। किसानों को यूरिया के छिड़काव में भी ये काफी मददगार है। ड्रोन स्कूल, ड्रोन इन्फ्रास्ट्रक्चर, परिचालन, मार्केटिंग सपोर्ट, पेंटेंट, ड्रोन कौशल, ईको सिस्टम समेत अन्य मामलों में ड्रोन नीति को मंजूरी दी गई है। एजुकेशन में भी ड्रोन को शामिल किए जाने पर सरकार का फोकस है। इससे नए अवसर मिलेंगे और प्रदेश के विकास और रोजगार में यह नीति सहायक होगी।

पीएम आवास योजना 2.0 को कैबिनेट ने दी मंजूरी

विजयवर्गीय ने बताया कि, पीएम आवास योजना के पहले चरण में साढ़े 8 लाख आवास बना चुके हैं। देश में एमपी दूसरे नंबर पर रहा है। पीएम आवास योजना 2.0 में देश भर में एक करोड़ मकान बनाए जाने हैं। इसमें से दस लाख आवास एमपी में बनाए जाने हैं।

कैबिनेट में नगरीय विकास मंत्री विजयवर्गीय जनकल्याण शिविर का दिया ब्योरा

नगरीय विकास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि, केंद्र के बजट के बाद मध्यप्रदेश में शुरू होने वाले नए मिशन के कामों में तेजी आएगी। कैबिनेट की बैठक में जन कल्याण अभियान के दौरान आयोजित 30,716 शिविरों की समीक्षा की गई, जिनमें 42.96 लाख आवेदन मिले। इनमें से 41.71 लाख आवेदनों को स्वीकृत कर समस्याओं का निराकरण किया गया। सबसे अधिक 9.91 लाख आवेदन आयुष्मान भारत योजना के तहत मिले, जिनमें से 9.81 लाख स्वीकृत किए गए। इसी तरह, 8.64 लाख आवेदन खसरा-खतौनी की प्रति, 3.24 लाख आवेदन नक्शे की प्रति, 2.7 लाख आवेदन एनओसी और 2.2 लाख आवेदन निर्माण श्रमिकों के पंजीयन के लिए मिले। भोपाल में सबसे अधिक 2.40 लाख आवेदन मिले।

योगी और भूटान नरेश ने संगम में लगाई डुबकी

प्रायगराज। सीएम योगी और भूटान नरेश जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक ने संगम में डुबकी लगाई है। गंगा पूजन और आरती की। इसके बाद अक्षयवट धाम और लेटे हनुमान में दर्शन-पूजन किया। योगी और भूटान नरेश के साथ लखनऊ से विमान से बमरौली एयरपोर्ट पहुंचे। वहां से सड़क मार्ग से महाकुंभ आए। अरैल घाट से बोट में सवार होकर संगम गए और स्नान किया। इस दौरान भूटान नरेश ने योगी के साथ पक्षियों को दाना खिलाया और फोटो भी खिंचवाई। योगी के दौरे को देखते हुए लेटे हनुमान मंदिर और अक्षयवट श्रद्धालुओं के लिए बंद कर दिया गया था। यह शाम 4 बजे के बाद खोला गया।

महाकुंभ में आज आस्था की डुबकी लगाएंगे पीएम मोदी

देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंगलवार को प्रयागराज पहुंच रहे हैं। वह 5 फरवरी को महाकुंभ में पवित्र स्नान करेंगे। जानकारी के अनुसार पीएम मोदी सुबह लगभग 10 बजे प्रयागराज एयरपोर्ट पहुंचेंगे। वीआईपी मूवमेंट के तहत पूरे मेला क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। प्रधानमंत्री अरल घाट से नाव के जरिए 10 बजकर 50 मिनट पर महाकुंभ पहुंचेंगे। उनके साथ भूटान के नरेश भी मौजूद रहेंगे। वहीं 11 बजे से 11.30 तक पीएम मोदी महाकुंभ में रहेंगे। पीएम मोदी गंगा स्नान करने के संगम पहुंचेंगे। संगम पूजन, आरती और स्नान के बाद सेक्टर 6 में लगाए गए स्टेट पवेलियन का अवलोकन करेंगे। पीएम नरेंद्र मोदी नेत्र महाकुंभ भी जा सकते हैं। अंत में 12 बजकर 30 मिनट पर प्रयागराज से वायुसेना के विमान से वापस दिल्ली लौट जाएंगे। सीएम योगी करेंगे आगवानीः पीएम मोदी के आगमन की तैयारियों की समीक्षा के लिए आज यानी चार फरवरी को सीएम योगी प्रयागराज पहुंच गए हैं। वह यहां सभी तैयारियों का अच्छे से जायजा लेंगे।

भोपाल का तापमान
अधिकतम 22°c
न्यूनतम 16°c

सुबह सवेरे

भोपाल ■ बुधवार, 05 फरवरी 2025

जो अग्नि हमें गर्मी देती है, हमें नष्ट भी कर सकती है; यह अग्नि का दोष नहीं है।
चाणक्य नीति

यूपी में 2 मालगाड़ियां टकराईं, दोनों लोको पायलट गंभीर

- रेड सिग्नल पर एक ट्रेन खड़ी थी, पीछे से दूसरी ने टक्कर मारी

फतेहपुर (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के फतेहपुर में दो मालगाड़ियों में भिड़ंत हो गई। एक मालगाड़ी ट्रैक पर खड़ी थी, तभी पीछे से आई दूसरी मालगाड़ी ने टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि आगे खड़ी मालगाड़ी का इंजन और गार्ड का डिब्बा ट्रैक से नीचे जा गिरे। हादसे में दोनों ट्रेनों के लोको पायलट गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना मंगलवार

सुबह डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर पर हुई। इस पर सिर्फ मालगाड़ियां ही चलती हैं। ऐसे में यात्री ट्रेनों पर घटना का असर नहीं हुआ। रेलवे के सीनियर अफसर मौके पर पहुंच गए हैं। दोनों ट्रेनों के लोको पायलटों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया। राहत और बचाव के लिए टीम पहुंच गई। ट्रैक को क्लियर किया जा रहा है। हादसा कानपुर-फतेहपुर के बीच खागा में पांभीपुर के पास अप लाइन पर हुआ। रेड सिग्नल पर खड़ी थी गाड़ी:अफसरों ने बताया कि ट्रैक पर रेड सिग्नल था। एक मालगाड़ी खड़ी थी। तभी अचानक पीछे से दूसरी मालगाड़ी तेज रफ्तार में आई और टक्कर मार दी।

महाराष्ट्र के सरकारी दफ्तरों में अब मराठी अनिवार्य

- नोटिस और निर्देश भी इसी भाषा में होंगे, उल्लंघन करने वालों पर ऐक्शन होगा

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र सरकार ने गवर्नमेंट और सेमी-गवर्नमेंट ऑफिसों में हर तरह के संवाद के लिए मराठी को अनिवार्य कर दिया है। आदेश के मुताबिक सभी नगरीय निकायों, सरकारी निगमों और सहायता प्राप्त संस्थानों में भी मराठी का इस्तेमाल जरूरी होगा। यह नियम पूरे राज्य में

निर्देश बोर्ड और डॉक्यूमेंटेशन पर भी लागू किया गया है। राज्य के योजना विभाग ने 3 फरवरी को नोटिफिकेशन जारी किया है। इसमें कहा गया है कि अगर कोई अधिकारी इस नियम का उल्लंघन करता है, तो उसके खिलाफ एक्शन लिया जाएगा। सरकार की मराठी भाषा नीति को पिछले साल मंजूरी मिली थी। इस नीति का उद्देश्य भाषा का संरक्षण, प्रचार और विकास करना है, ताकि मराठी का उपयोग सरकारी कामकाज में बढ़ाया जा सके। सरकारी दफ्तरों, नगर निकायों, निगमों और पब्लिक ऑफिस के कंप्यूटर की-पैड और प्रिंटर पर रोमन के साथ मराठी देवनागरी लिपि में टैक्स्ट लिखना होगा।

चैतन्य है मां नर्मदा की धारा, इसके दर्शन से होते हैं सभी धन्य : मुख्यमंत्री

पीएम मोदी ने प्रदेश में दो नदी जोड़ो अभियान के लिए एक लाख 75 हजार करोड़ की धनराशि उपलब्ध कराई

भोपाल/हरदा (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मां नर्मदा की धारा चैतन्य है, इसके दर्शन मात्र से ही सभी धन्य होते हैं। माँ नर्मदा प्रदेश की जीवन रेखा है। प्रदेश का सिंचाई रकबा 48 लाख हेक्टेयर से अधिक है, जिसमें से 40 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में मां नर्मदा के जल से सिंचाई होती है। पारस पत्थर जैसे लोहे को सोना कर देता है, वैसे ही जल के पहुंचते ही सूखे खेत भी सोना ऊगलने लगते हैं। राज्य सरकार प्रदेश में सिंचाई के रकबे का तेजी से विस्तार कर रही है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने सिंचाई सुविधा के विस्तार के लिए एक लाख 75 हजार करोड़ की धनराशि उपलब्ध कराई है, इससे प्रदेश में केन-बेतवा और पार्वती-काली सिंध-चंबल नदी जोड़ो परियोजनाएं आरंभ होंगी। इन परियोजनाओं से एक करोड़ हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई का लक्ष्य पूरा होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव हरदा जिले के छीपानेर में नर्मदा तट पर वेदगर्भा घाट के लोकार्पण अवसर पर संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने हरदा जिले में एक नई आईटीआई संस्था स्वीकृत करने और गोंदागांव में सरकारी खर्चे पर सर्वसुविधा युक्त गौशाला स्वीकृत करने की घोषणा की। उन्होंने 316 करोड़ रुपए के विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमि-पूजन भी किया। कार्यक्रम में डारा इंजीनियरिंग प्रायवेट लिमिटेड के मेनेजिंग डायरेक्टर डॉ. पप्पू राम विश्नोई ने इस अवसर पर वैदिक विद्या पीठम् चिचोट के विकास के लिये 1 करोड़ रूपये देने की घोषणा की। इस अवसर पर प्रख्यात विचारक श्री सुरेश सोनी, प्रदेश के सहकारिता तथा खेल एवं युवा कल्याण मंत्री व जिले के प्रभारी मंत्री श्री विश्वास सारंग, राज्यसभा सांसद श्रीमती माया

नारोलिया, नर्मदापुरम् सांसद श्री दर्शन सिंह चौधरी, पूर्व मंत्री श्री कमल पटेल, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री गजेन्द्र शाह, नगर पालिका अध्यक्ष श्री भारती राजू कमेडिया, जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री दर्शन सिंह गहलोत पूर्व विधायक श्री संजय शाह, श्री प्रेम कुमार, स्वामी श्री नित्य चैतन्य दास जी महाराज सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने हरदा में हुई अग्नि दुर्घटना का उल्लेख करते हुए कहा कि ऐसी विपदा में फंसे व्यक्तियों को तत्काल समुचित इलाज उपलब्ध कराने के उद्देश्य से इस दुर्घटना के एक माह बाद ही राज्य सरकार द्वारा दूरदराज के घायल व्यक्तियों के लिए निःशुल्क एयर एंबुलेंस संचालित करने का निर्णय लिया गया। प्रदेश में जहां हवाई पट्टी है, वहां विमान से और अन्य स्थानों पर हेलीकॉप्टर के माध्यम से एयर एंबुलेंस उपलब्ध कराने की व्यवस्था राज्य सरकार द्वारा की गई। गरीबों को भी समय पर इलाज मिले इसके लिए निःशुल्क हवाई जहाज/हेलीकॉप्टर सेवा प्रदान की जा रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राज्य सरकार हर वर्ग के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। इसके अंतर्गत ही प्रदेश में गरीब, महिला, किसान और युवा कल्याण मिशन प्रारंभ किए जा रहे हैं। युवा कल्याण मिशन से हम वर्ष-2028 तक प्रदेश के 70 प्रतिशत युवाओं को स्वावलंबी बनाएंगे। नेशनल डेयरी डेवलपमेंट बोर्ड के माध्यम से घर-घर गौपालन को प्रोत्साहित किया जा रहा है। गौपालन से किसानों की आय बढ़ाने की दिशा में भी कार्य जारी है। प्रख्यात विचारक श्री सुरेश सोनी ने इस अवसर पर कहा कि माँ नर्मदा हमारे लिये जीवनदायिनी है, इसे प्रदूषित न करें। नर्मदा नदी प्रदूषण मुक्त बनी रहें, यह हम सभी का दायित्व है।

माँ नर्मदा के अविरल प्रवाह ने प्रदेश को समृद्ध और खुशहाल बनाया : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने माँ नर्मदा जयंती की समस्त प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि माँ नर्मदा के अविरल प्रवाह ने मध्यप्रदेश को समृद्ध और खुशहाल बनाया है। मध्यप्रदेश की जीवन रेखा माँ नर्मदा का आशीर्वाद ऐसे ही अनवरत बरसता रहे, यही कामना है। मुख्यमंत्री

डॉ. यादव ने नर्मदा जयंती पर प्रदेशवासियों से जल और संस्कृति के संरक्षण के लिए संकल्पित होने का आव्हान किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जीवन, आस्था और संस्कार की अविरल धारा माँ नर्मदा का वंदन करते हुए प्रदेशवासियों को नर्मदा जयंती की बधाई दी।

सीएम ने जलमंच से किया मां नर्मदा का पूजन-अभिषेक, तरंगी रोशनी से जगमगाया सेठानी घाट- मध्यप्रदेश में मंगलवार को नर्मदा जयंती पर कई कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। नर्मदापुरम में मां नर्मदा का प्रकटोत्सव और शहर का गौरव दिवस एक साथ मनाए जा रहा है। सोमवार को मंगलाचरण के साथ दो दिवसीय महोत्सव शुरू हुआ।सीएम डॉ. मोहन यादव मंगलवार शाम करीब 6 बजे नर्मदापुरम पहुंचे। उन्होंने सेठानी घाट पर आयोजित मुख्य कार्यक्रम में मां नर्मदा का पूजन-अभिषेक किया।

फ्रांस के बाद अमेरिका जा सकते हैं पीएम मोदी

- 13 फरवरी को ट्रम्प से मुलाकात, डिनर होस्ट कर सकते हैं अमेरिकी राष्ट्रपति

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री मोदी अगले सप्ताह अमेरिका का दौरा कर सकते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक 13 फरवरी को मोदी और ट्रम्प के बीच मुलाकात हो सकती है। इस यात्रा के दौरान ट्रम्प, पीएम मोदी के लिए डिनर भी होस्ट कर सकते हैं। मोदी फ्रांस की अपनी यात्रा समाप्त करने के बाद 12 फरवरी की शाम को वाशिंगटन डीसी पहुंचेंगे और 14 फरवरी तक वॉशिंगटन में रहेंगे। पीएम इस दौरान अमेरिकी बिसजेसमैन और भारतवंशी समुदाय से भी मुलाकात कर सकते हैं। पीएम मोदी और राष्ट्रपति ट्रम्प के बीच 27 जनवरी को बातचीत हुई थी। ट्रम्प के दोबारा राष्ट्रपति बनने के बाद यह पहली बार था जब उन्होंने पीएम मोदी से बातचीत की थी।

अमेरिका से डिपोर्ट 205 भारतीय आज पहुंचेंगे अमृतसर

इमिग्रेशन-बैकग्राउंड चेक होगा, क्रिमिनल निकले तो एयरपोर्ट पर ही गिरफ्तारी

अमृतसर (एजेंसी)। अमेरिका में नए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सत्ता संभालने के साथ ही वहां अवैध तरीके से घुसे लोगों को उनके देशों में वापस भेजने का काम शुरू हो गया है। अमेरिकन एजेंसियों ने इस तरह के जिन लोगों को आईडेंटिफाई किया है, उनमें कई भारतीय भी हैं। ऐसे ही 205 भारतीयों को लेकर अमेरिकी मिलिट्री का एक विमान मंगलवार को सैन एंटोनियो से अमृतसर के लिए रवाना हुआ। यह सी-17 विमान बुधवार सुबह अमृतसर एयरपोर्ट पर लैंड होगा। अमृतसर इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर यह विमान बुधवार सुबह तकरीबन 9 बजे पहुंचने का अनुमान है। अमृतसर जिला प्रशासन से जुड़े एक सीनियर अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि उनके पास अभी तक डिपोर्ट होकर आ रहे 205 भारतीयों को डिटेन करने का कोई आदेश नहीं आया है। अमृतसर एडमिनिस्ट्रेशन से जुड़े सूत्रों के अनुसार, अमेरिकी विमान में आ रहे सभी लोगों के अमृतसर एयरपोर्ट पर डॉक्यूमेंट्स चेक किए जाएंगे। इमिग्रेशन वगैरह के अलावा इन लोगों का पूरा बैकग्राउंड, खासकर क्रिमिनल रिकॉर्ड भी चेक किया जाएगा। अगर किसी का क्रिमिनल रिकॉर्ड निकला तो उसे एयरपोर्ट में ही अरेस्ट कर लिया जाएगा। इस प्रोसेस में पूरा दिन लग सकता है। सूत्रों के अनुसार, अमेरिका से डिपोर्ट हुए इन भारतीयों में कुछ लोग ऐसे हो सकते हैं, जो भारत में कोई न कोई क्राइम करके अमेरिका निकल गए हों। इस बीच, अमेरिका में व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने बताया कि अमेरिकन एजेंसियों ने 538 अवैध प्रवासियों को गिरफ्तार किया है।

परमाणु बम हासिल करने में जुटा बड़ा शिया मुल्क

अमेरिकी की खुफिया रिपोर्ट में सामने आया सच

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी अधिकारियों का मानना है कि ईरान के वैज्ञानिकों की एक गुप्त टीम परमाणु हथियार विकसित करने के लिए तेजी से काम कर रही है। हाल ही में खुफिया आंकलन से अमेरिकी अधिकारियों को इसके बारे में जानकारी मिली है। अमेरिकी अखबार न्यूयॉर्क टाइम्स ने इस बारे में जानकारी दी है। रिपोर्ट के अनुसार, बाइडन प्रशासन के अंतिम महीनों के दौरान जुटाई गई खुफिया जानकारी को ट्रंप प्रशासन के साथ साझा किया गया है।

भारत का 'एआई' वार, चीन की भी बढ़ जाएगी टेंशन!

देश का यह नया 'हथियार' निकालेगा अमेरिका-यूरोप समेत सबकी हवा

नई दिल्ली (एजेंसी)। यूनान यानी ग्रीस के एक मशहूर दार्शनिक हुए प्लेटो। उनके एक दोस्त थे, जिन्होंने मशीनी कबूतर बनाया, जो आवाज से चलता था। यह बात करीब 2800 साल पहले की है। हालांकि, इसके पहले भी कृत्रिम बुद्धिमत्ता का विचार उस वक्त जन्म ले चुका था, जब दार्शनिकों ने जीवन और मृत्यु के प्रश्नों पर विचार किया था। प्राचीन काल में आविष्कारकों ने 'ऑटोमेटन' नामक चीज़ें बनाईं जो मशीनी होते हुए भी इंसान के दखल के बिना ही चलती थीं। ऑटोमेशन शब्द प्राचीन ग्रीक से आया है और इसका अर्थ है-अपनी इच्छा से कार्य करना। यहीं से एआई का जन्म हुआ। हाल ही में चीन की एक कंपनी डीपसीक के एआई-पावर्ड चैटबॉट ने अमेरिका में तलहका मचा दिया था। अमेरिका में जनवरी के आंकड़ों के मुताबिक ये एपल के स्टोर से सबसे ज्यादा मुफ्त में डाउनलोड होने वाला ऐप बन गया है। ये समस्याओं को हल करने और भविष्य की घटनाओं का अनुमान लगाते हैं। मशीन यानी कंप्यूटर, को इस तरह से प्रशिक्षित किया जाता है कि वह नई चीजें सीख सके। सवालों का हल निकाल सके और विश्लेषण कर सके। अब अपना देश भारत भी एआई के मैदान में कूद गया है। भारत का यह हथियार चीन समेत दुनिया के हर देश की हवा निकालने में सक्षम होगा। माना जाता है कि भारत के इस एआई वर्जन से चीन भी टेंशन में है। भविष्य में सुव्यवस्थित और सुधार करने के लिए यह अपने अतीत से सीखकर काम करते हैं।

हरियाणा के 50 गांवों के किसान जल लेकर पहुंचेंगे खनौरी

- महापंचायतों को लेकर बनेगी रणनीति, डल्लेवाल का अनशन जारी

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब और हरियाणा के खनौरी बॉर्डर पर किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल का अनशन 71वें दिन में प्रवेश कर गया है। वह सिर्फ पानी पी रहे हैं। इसी सिलसिले में आज मंगलवार को हरियाणा के 50 से ज्यादा गांवों के किसान अपने खेतों से पानी लेकर मोर्चे पर पहुंचेंगे। डल्लेवाल उसी पानी का सेवन करेंगे। दूसरी तरफ, किसान 11 से 13 फरवरी तक होने वाली किसान महापंचायतों को सफल बनाने के लिए रणनीति बना रहे हैं।

दिल्ली चुनाव से पहले हम पर बनाया जा रहा दबाव

इलेक्शन कमीशन ने आम आदमी पार्टी के आरोप का दिया जवाब

नई दिल्ली (एजेंसी)। चुनाव आयोग (ईसी) ने मंगलवार को चुनाव के दौरान राजनीतिक पार्टियों के बार-बार दबाव बनाने और आरोपों पर अपनी बात रखी। ईसी ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट कर कहा, 3 सदस्यीय आयोग ने एक साथ महसूस किया है कि दिल्ली चुनावों में चुनाव आयोग को बदनाम करने के लिए बार-बार जानबूझकर दबाव बनाने की कोशिश की जा रही है। आयोग ने कहा, रणनीति इस प्रकार है कि मानो ईसी एक एकल सदस्यीय निकाय है। आयोग ने संवैधानिक तरीके से आरोपों का बुद्धिमत्ता के साथ धैर्यपूर्वक सामना किया और इससे प्रभावित नहीं हुआ है। हालांकि, अपने इस बतान में आयोग ने किसी भी पार्टी का नाम लिया है। आयोग ने कहा कि दिल्ली में विधानसभा चुनाव साफ-सुथरे होंगे। इसके लिए 1.5 लाख कर्मी तैनात किए गए हैं। दरअसल, एएपी और सीएम आतिशी ने आज सुबह आरोप लगाया था कि चुनाव आयोग गुंडागर्दी को बढ़ावा दे रहा है। वह भाजपा को सपोर्ट कर रहा है। पार्टी ने यह आरोप तब लगाया था, जब दिल्ली पुलिस ने मुख्यमंत्री आतिशी के खिलाफ आचार संहिता उल्लंघन का केस दर्ज किया था। दिल्ली पुलिस ने मंगलवार सुबह सीएम आतिशी पर आचार संहिता के उल्लंघन पर केस दर्ज किया। इस पर आतिशी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की।

पाकिस्तान से 400 हिंदुओं की अस्थियां भारत पहुंचीं

- 8 वर्षों से श्मशान में मोक्ष प्राप्ति के इंतजार में थीं, महाकुंभ योग में वीजा मिला

अमृतसर (एजेंसी)। पाकिस्तान में कराची के पुराने गोलिमार क्षेत्र के हिंदू श्मशान घाट में वर्षों से अस्थि कलशों में रखीं 400 हिंदू मृतकों की अस्थियां सोमवार (3 फरवरी) को अमृतसर के वाघा-अटारी बॉर्डर के रास्ते भारत पहुंचीं। ये अस्थियां करीब 8 साल से श्मशान में रखी थीं। परिजन को इन्हें गंगा में प्रवाहित करने का इंतजार था। महाकुंभ योग में भारत का वीजा मिलने के बाद रविवार (2 फरवरी) को कराची के श्री पंचमुखी हनुमान मंदिर में विशेष प्रार्थना सभा हुई। इसके बाद परिजन ने अस्थियों को अंतिम विदाई दी, ताकि मोक्ष के लिए इन्हें गंगा में विसर्जित किया जा सके। इससे पहले, बुधवार को बड़ी संख्या में श्रद्धालु पुराने कराची के गोलिमार श्मशान घाट पहुंचे थे, जहां अस्थि कलशों के लिए विशेष प्रार्थना की गई। जिन परिवारों को

अपने प्रियजनों की अस्थियां हरिद्वार में विसर्जित करनी थीं, वे श्मशान घाट पहुंचे, क्योंकि भारत में अस्थि विसर्जन के लिए श्मशान घाट की पर्ची और मृतक का मृत्यु प्रमाणपत्र अनिवार्य था। कराची के निवासी सुरेश कुमार अपनी मां सील बाई की अस्थियों को हरिद्वार ले जाने का इंतजार कर रहे थे। उन्होंने बीते सप्ताह तब राहत की सांस ली, जब उन्हें पता चला कि भारत सरकार ने 400 हिंदू मृतकों की अस्थियों के लिए वीजा जारी कर दिया है। उनकी मां की मृत्यु 17 मार्च 2021 को हुई थी, और परिवार ने उसी समय भारत के वीजा के लिए आवेदन किया था, लेकिन मंजूरी मिलने में काफी देरी हुई। सुरेश ने बताया कि उन्होंने महाकुंभ का इंतजार करने का फैसला किया था, जो हर 144 साल में एक बार आता है। यह 12 कुंभ मेलों के पूरे होने का प्रतीक है और इस बार यह 13 जनवरी से 26 फरवरी के बीच हो रहा है, जिससे हमारे धार्मिक और अंतिम संस्कार से जुड़े अनुष्ठान पूरे करने के लिए हमें 45 दिनों की अवधि मिल रही है।

बाबासाहेब के जीवन संघर्षों से प्रेरणा लेकर, उनके विचारों और आदर्शों को अपने जीवन में करें आत्मसात् : मंत्री परमार

- सीएम राइज विद्यालयों में मिल रही सुलभ, समान और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा
- डॉ. भीमराव अंबेडकर सीएम राइज विद्यालय गौलाना में डॉ. अंबेडकर की प्रतिमा का हुआ अनावरण

भोपाल(नप्र)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के लागू होने के बाद से ही, प्रदेश में शिक्षा में आमूलचूल और व्यापक परिवर्तन हो रहे हैं। मध्यप्रदेश नए संकल्प के साथ, भारत केंद्रित शिक्षा और भारतीय दर्शन से समृद्ध शिक्षा की ओर सतत् आगे बढ़ रहा है। शिक्षा में व्यापक परिवर्तन के लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के परिप्रेक्ष्य में, राज्य सरकार ने सीएम राइज योजना के अंतर्गत विद्यालय स्थापित किए हैं। निर्धनता, अब शिक्षा अर्जित करने में बाधा नहीं बन सकेगी। निर्धन अभिभावक का दर्द समझकर ही सीएम राइज योजना अंतर्गत विद्यालय स्थापित किए जा रहे हैं। सभी वर्ग के विद्यार्थी समान रूप से गुणवत्तापूर्ण एवं सुलभ शिक्षा अर्जित कर सकेंगे। यह बात उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री श्री इन्दर सिंह परमार ने कही। मंत्री श्री परमार मंगलवार को शाजापुर जिले की शुजालपुर विधानसभा के गौलाना स्थित डॉ. भीमराव अंबेडकर सीएम राइज विद्यालय में 'भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा अनावरण कार्यक्रम' में संबोधित कर रहे थे।

मंत्री श्री परमार ने गौलाना स्थित डॉ. भीमराव अंबेडकर सीएम राइज विद्यालय में भारतीय बहुज्ञ, विधिवेत्ता, अर्थशास्त्री, राजनीतिज्ञ और समाज सुधारक भारत रत्न बाबा साहेब डॉ.भीमराव अम्बेडकर की प्रतिमा का अनावरण किया। मंत्री श्री परमार ने कहा कि प्रदेश के प्रथम सीएम राइज विद्यालय के रूप में स्थापित होने के समय ही, हमने इस विद्यालय का नामकरण बाबा साहेब के नाम पर कर दिया था। श्री परमार ने कहा कि बाबा साहेब का संपूर्ण जीवन देश और समाज के लिए एवं सभी के लिए समान अधिकारों के लिए समर्पित रहा। इसके लिए उन्होंने शिक्षा को सामाजिक परिवर्तन का सबसे प्रभावी माध्यम माना था। श्री परमार ने कहा कि बाबा साहेब सभी के लिए श्रद्धा का केंद्र हैं, सभी वर्ग के लोग उनका सम्मान करते हैं और उनके जीवन संघर्षों से प्रेरणा लेते हैं। मंत्री श्री परमार ने छात्रों को प्रेरित करते हुए कहा कि वे डॉ. अंबेडकर के जीवन संघर्षों से प्रेरणा लेकर, उनके विचारों और आदर्शों को अपने जीवन में आत्मसात् करें और उनकी तरह ही राष्ट्र निर्माण के लिए देशभक्त एवं ईमानदार नागरिक बनने की ओर आगे बढ़ें।

उच्च शिक्षा मंत्री श्री परमार ने विद्यार्थियों को उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। श्री परमार ने कहा कि विद्यालय परिसर में महापुरुषों के लिए कथनों पर आपस में संवाद कर, उन्हें अपने जीवन में अपनाने का प्रयास करें। श्री परमार ने कहा कि गौलाना में शीघ्र ही महाविद्यालय का भी लोकार्पण होगा, इससे विद्यार्थियों को स्थानीय स्तर पर सुलभ रूप से गुणवत्तापूर्ण एवं रोजगारपरक उच्च शिक्षा प्राप्त हो सकेगी। श्री परमार ने विद्यार्थियों से कहा कि मातृभूमि, जन्मभूमि, मां गंगा जैसी नदियां एवं गौमाता, इन चार माताओं के प्रति जीवन भर कृतज्ञता ज्ञापित करने का भाव जागृत करें। श्री परमार ने कहा कि निरंतर अपने पुरुषार्थ और परिश्रम से आगे बढ़ें और राष्ट्र निर्माण में सहभागिता के भाव को आत्मसात् करें। श्री परमार ने कहा कि हम सभी की सहभागिता से स्वतंत्रता के शताब्दी वर्ष तक भारत पुनः विश्वमंच पर सिरमौर बनेगा।

उच्च शिक्षा मंत्री श्री परमार ने विद्यालय का भ्रमण कर शैक्षणिक गतिविधियों की समीक्षा भी की और विद्यार्थियों से उनकी पढ़ाई के बारे में संवाद भी किया। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्री हेमराज सिंह सिसोदिया, जिला शिक्षा अधिकारी श्री विवेक दुबे, श्री अंतर सिंह जादौन, श्री मांगीलाल, श्री महेंद्र गोवा, श्री योगेंद्र सिंह बंटी बना, श्री राजेश कुमार पाटीदार एवं विद्यालय के प्राचार्य श्री गोपाल कृष्ण शर्मा सहित विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाएं, विद्यार्थी एवं अन्य गणमान्य जन उपस्थित थे।

सिल्क टूरिज्म के रूप में विकसित होगा मढ़ई: मंत्री जायसवाल

भोपाल (नप्र)। कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिलीप जायसवाल ने कहा कि सिल्क टूरिज्म के विकास से रेशम का व्यापक प्रचार प्रसार होगा और लोग रेशम का उपयोग करने के लिए प्रेरित होंगे। रेशम को बढ़ावा देकर आम लोगों में रेशम के वस्त्रों के प्रति रुझान बढ़ाया जाएगा। पर्यटन स्थलों पर आने वाले टूरिस्ट को भी रेशम वस्त्र की जानकारी दी जाएगी। उन्हें रेशम के वस्त्र खरीदने के लिए प्रेरित किया जाएगा। राज्य मंत्री श्री जायसवाल ने कहा कि नर्मदापुरम जिले के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल मढ़ई में स्थित रेशम उत्पादन केन्द्र को 'मॉडल सिल्क टूरिज्म स्पॉट' के रूप में विकसित किया जाएगा। उन्होंने सोमवार 3 फरवरी को रेशम केंद्र का शुभारंभ एवं निरीक्षण कर सिल्क टूरिज्म के लिये विकास की सभी संभावनाओं का जायजा लिया और इसे सिल्क टूरिज्म के लिये एक अनुकूल स्थान पाया। राज्यमंत्री श्री जायसवाल ने कहा कि यहां शीघ्र ही सिल्क टूरिज्म प्रारंभ किया जाएगा। पर्यटकों की सुविधा के लिये जरूरी सुविधाओं और आवश्यकतानुसार विकास के कार्य कराये जायेंगे। उन्होंने मढ़ई रेशम उत्पादन केन्द्र के प्रांगण में पौध-रोपण भी किया। राज्य मंत्री श्री जायसवाल ने कहा कि मढ़ई में जल्द ही सिल्क टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए सभी आवश्यक उपाय किए जाएंगे। सिल्क को प्रमोट किया जाएगा। वर्तमान में जो कार्य चल रहे हैं वह भी बहुत ही बेहतर तरीके से चल रहे हैं, इसे और आगे बढ़ाने की आवश्यकता है। उन्होंने सिल्क टूरिज्म केंद्र की सराहना की। राज्य मंत्री श्री जायसवाल ने कामठी में प्राकृतिक शोरूम का शुभारंभ भी किया।

मुख्यमंत्री ने भारत रत्न पं. भीमसेन जोशी की जयंती पर किया नमन

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शास्त्रीय गायक, भारत रत्न, पंडित भीमसेन जोशी की जयंती पर उन्हें नमन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि श्री पं. भीमसेन जोशी ने समर्पण और सतत् लगन से भारतीय संगीत परंपरा को समृद्ध कर विश्व में इसका मान बढ़ाया। उनकी आवाज और कला का जादू अनंतकाल तक अविस्मरणीय रहेगा।

सीजीएसटी की टीम ने जब्त की 12 करोड़ की सुपारी

- बैरसिया रोड पर गोदाम में छापा मारा, 4500 बोरियों में भरी मिली 310 टन सुपारी

भोपाल (नप्र)। भोपाल सीजीएसटी की टीम ने मंगलवार को राजधानी के बैरसिया रोड स्थित एक गोदाम में छापा मारकर 12 करोड़ रुपए की सुपारी जब्त की है। यह सुपारी साढ़े चार हजार बोरियों में छिपाकर गोदाम में रखी गई थी। सूचना के आधार पर पहुंची सीजीएसटी की टीम ने गोदाम में रखी सुपारी को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। सीजीएसटी अधिकारियों के अनुसार, गोपनीय सूचना के आधार पर की गई जांच के बाद शुरुआती आकलन में जब्त की गई सुपारी की कीमत 10 से 12 करोड़ रुपए आंकी गई है, जो इससे भी अधिक हो सकती है। बैरसिया रोड स्थित यह गोदाम रजिस्टर्ड नहीं है और यहां रखी गई सुपारी के दस्तावेज भी उपलब्ध नहीं हैं। ऐसे में सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। जब्त सुपारी की कुल मात्रा 310 टन है। फिलहाल कार्रवाई जारी है।

उचित समय पर जांच और इलाज से कैंसर को परास्त किया जा सकता:सीएम यादव

भोपाल(नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने विश्व कैंसर दिवस पर कहा है कि सही जानकारी, उचित समय पर जांच और इलाज से कैंसर जैसी बीमारी को परास्त किया जा सकता है। उत्तम स्वास्थ्य ही खुशहाल जीवन का आधार है। उन्होंने कैंसर दिवस पर जागरूकता फैलाएं-कैंसर को हराएं-जीवन को जिताएं का संदेश देते हुए प्रदेशवासियों से कैंसर के संबंध में स्वयं जागरूक रहते हुए समाज को जागरूक करने और स्वस्थ भारत के संकल्प की सिद्धि में सहभागी होने का आव्हान किया है।

कार्य में लापरवाही के चलते दो कर्मचारी निलंबित, एक आउटसोर्स कर्मचारी की सेवाएं समाप्त

भोपाल (नप्र)। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी कार्यक्षेत्र के दतिया शहर जोन में पदस्थ दो नियमित कर्मचारियों को कार्य में लापरवाही के चलते निलंबित किया गया है। जबकि, दतिया शहर जोन में ही कार्यरत एक आउटसोर्स कर्मी को कार्य के दौरान नशे की हालत में मिलने के कारण सेवा से पृथक करते हुए (ब्लैक-लिस्ट) किया गया है। उपमहाप्रबंधक दतिया ने बताया कि दतिया शहर जोन में पदस्थ लाइन परिचारक श्री रामस्नेही पाल और परीक्षण सहायक श्री नीरज कुमार प्रजापति को कार्य के दौरान लापरवाही बरतने के कारण निलंबित कर दिया गया है। निलंबन अवधि में श्री रामस्नेही पाल का मुख्यालय, कार्यालय महाप्रबंधक वृत्त भिण्ड और श्री नीरज कुमार प्रजापति का मुख्यालय, कार्यालय महाप्रबंधक वृत्त श्योपुर होगा।

राज्य आनंद संस्थान और मौलाना आजाद राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान के बीच हुआ एमओयू

भोपाल (नप्र)। राज्य आनंद संस्थान और मौलाना आजाद राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान के बीच मैनिट परिसर में मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैडिंग (समझौता ज्ञापन) किया गया। एमओयू के तहत दोनों पक्ष तीन वर्षो तक एक-दूसरे के सहयोगी के रूप में कार्य कर विभिन्न गतिविधियों का क्रियान्वयन करेंगे।

दोनों संस्थान एक दूसरे के सहयोगी के रूप में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020, अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद् में सार्वभौमिक मानवीय मूल्यों पर आधारित कार्यक्रम एवं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के प्रस्तावों के अनुरूप विद्यार्थियों में मानवीय मूल्य संवर्धन के लिये अध्ययन/कार्यक्रमों का क्रियान्वयन करेंगे। दोनों पक्षों के प्राध्यापक/कर्मचारियों/विद्यार्थियों का क्षमतावर्धन कर उनके माध्यम से अपनी-अपनी योजनाओं की पहुँच समाज के अंतिम छोर के व्यक्ति तक पहुँचाने, प्राध्यापक एवं विद्यार्थियों को नैतिकता, आत्म-चिंतन एवं सकारात्मक मानसिकता के विकास के लिये प्रशिक्षण एवं यथासंभव आवश्यक सहयोग प्रदान करने, प्राध्यापक एवं विद्यार्थियों को स्वयंसेवी पहल के लिये एक सहयोग मंच प्रदान कर आनंद एवं इससे जुड़े कार्यक्रमों में उनकी भागीदारी सुनिश्चित करने के साथ ज्ञान और संसाधन के प्रसार के लिये अन्य दीर्घकालिक मार्ग की खोज तथा सहयोग के बिन्दुओं को तलाशकर साझा रणनीति क्रियान्वयन का कार्य करेंगे।

एमओयू अनुसार राज्य आनंद संस्थान, मैनिट के प्राध्यापकों के लिये प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जायेगा। आनंद संस्थान संकाय विकास कार्यक्रम भी आयोजित करेगा ताकि प्राध्यापकों को स्वतंत्र रूप से सत्र का संचालन करने के लिये प्रशिक्षित किया जा सके। आनंद संस्थान सार्वभौमिक मानवीय मूल्यों के पाठ्यक्रम निर्माण में मैनिट की सहायता करेगा। आनंद संस्थान नियमित अंतराल पर पारस्परिक रूप से तय कार्यक्रम के अनुसार मैनिट के प्राध्यापक एवं विद्यार्थियों के लिए आनंद के कार्यक्रमों का आयोजन करेगा। विद्यार्थियों के लिये सार्वभौमिक मानवीय मूल्यों पर आधारित कार्यक्रम आयोजित करेगा, जो या तो पूरे 7 दिनों तक लगातार आयोजित किये जायेंगे अथवा तीन माह के लिए 10 सत्रों की अवधिवार पाठ्यक्रम बनाया जाएगा। आनंद संस्थान प्राध्यापक एवं विद्यार्थियों के विकास, संस्थागत क्षमता निर्माण, अनुसंधान और नवाचार से संबंधित गतिविधियों में मैनिट के ज्ञान सहभागी के रूप में कार्य करेगा एवं तद्नुसार संयुक्त कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार करने और उन्हें संचालित करने के लिये अपनी विशेषज्ञता प्रदान करेगा।

आनंद संस्थान सभी निर्धारित कार्यक्रमों के लिए एक ऑनलाइन पंजीयन लिंक प्रदान करेगा और नामांकित/चिह्नित प्रतिभागियों को दिये गये लिंक के माध्यम से ऑनलाइन पंजीयन करेगा। मैनिट संस्थान आनंद से संबंधित संयुक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम, कार्यशालायें और सम्मेलन आयोजित करने में आनंद संस्थान को यथासंभव सहयोग प्रदान करेगा।

आनंद संस्थान द्वारा तैयार पाठ्य-पुस्तक अध्ययन सामग्री आदि को द्वितीय पक्ष अपनी आवश्यकतानुसार मुद्रित करवायेगा तथा प्रतिभागियों को उपलब्ध कराएगा। मैनिट परस्परिक रूप तय समय सारणी के अनुसार आनंद से जुड़े कार्यक्रमों के लिये प्राध्यापक एवं विद्यार्थियों को नामांकित करेगा।

भारत भवन में रंग उत्सव आज से

भोपाल। रंग उत्सव राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय दिल्ली द्वारा आयोजित किया जा रहा है। अलग-अलग शहरों में और भाषाओं में देश विदेश के नाटकों की प्रस्तुति होगी। भोपाल में 5 फरवरी से 9 फरवरी तक कुल 5 नाटकों का मंचन होगा। राष्ट्रीय नाटक विद्यालय दिल्ली का भोपाल आयोजन भारत भवन और संस्कृति विभाग के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है। सभी प्रस्तुतियां प्रतिदिन शाम 6ः30 बजे से भारत भवन के अंतरंग सभागार में संपन्न होंगी।

बीएमएचआरसी में नई व्यवस्था

पेट के कैंसर के मरीजों के लिए शुरू होगी नई स्पेशल क्लिनिक, रोजाना 3 घंटे खुलेगी

भोपाल (नप्र)। पेट के कैंसर से जूझ रहे मरीजों के लिए बीएमएचआरसी में मंगलवार से अलग जीआई कैंसर क्लिनिक शुरू हो रहा है। यह क्लिनिक सुबह 10 बजे से 1 बजे तक संचालित होगा। इस क्लिनिक में बीएमएचआरसी के सर्जिकल ऑन्कोलॉजिस्ट डॉ सोनवीर गौतम मरीजों को पाचन तंत्र का कैंसर, लिवर का कैंसर, पित्ताशय का कैंसर, गॉल ब्लेडर का कैंसर, बाइल डक्ट का कैंसर व पेट से संबंधित अन्य कैंसर के उपचार के बारे में परामर्श देंगे।बीएमएचआरसी की प्रभारी निदेशक डॉ मनीषा श्रीवास्तव ने कहा कि य?ह क्लिनिक कैंसर के मरीजों के देखभाल व उपचार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इससे पेट के कैंसर से जूझ रहे मरीजों को स्पेशल केयर मिल सकेगी।

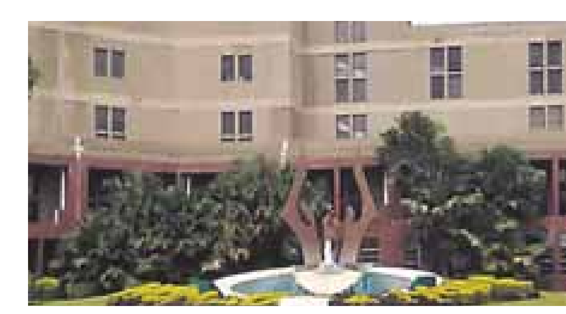

भोपाल के बीएमएचआरसी में 10 नए डॉक्टरों ने किया जॉइन: भोपाल स्मारक अस्पताल एवं अनुसंधान केंद्र (बीएमएचआरसी) के विभिन्न विभागों में फैकल्टी के स्थायी पदों पर 7 डॉक्टरों ने जॉइन किया है। इसके अलावा स्पेशलिस्ट के स्थायी पदों पर 3 डॉक्टरों ने जॉइन किया है। बीएमएचआरसी की प्रभारी निदेशक, डॉ. मनीषा श्रीवास्तव ने बताया कि, भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद द्वारा हाल ही में इन डॉक्टरों की नियुक्ति की गई थी और अब इन सभी ने अपने-अपने पदों पर कार्यभार ग्रहण कर लिया है।

राज्यपाल मंगुभाई पटेल का 'एट होम' कार्यक्रम में एन.सी.सी. के अधिकारियों और कैडेट्स के साथ समूह चित्र।

युवा वर्ग अपने सपनों को साकार करें,राज्य सरकार हरसंभव सहयोग के लिए तत्पर : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

आज सीएम 7 हजार 900 विद्यार्थियों को प्रदान करेंगे नि:शुल्क स्कूटी

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि युवा वर्ग अपने सपनों को साकार करने के लिए आगे बढ़े। राज्य सरकार हरसंभव सहयोग प्रदान करने के लिए तत्पर है। इस क्रम में आज 5 फरवरी को सभी पात्र निर्धारित विद्यार्थियों को स्कूटी प्रदान की जाएगी। युवा वर्ग अपनी प्रावीण्यता का लाभ ले और अपने साथियों के लिए भी प्रेरणा का स्त्रोत बनें, इस उद्देश्य से यह उपक्रम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि युवा न केवल उद्यमी बनें अपितु सब प्रकार से सक्षम भी बनें और अपने लक्ष्य प्राप्ति में सफल हों। मुख्यमंत्री डॉ. यादव 5 फरवरी बुधवार को प्रातः 11 बजे भोपाल के कुशाभाऊ ठाकरे कन्वेंशन सेंटर में शासकीय स्कूलों के प्रतिभाशाली 7,900 विद्यार्थियों को निःशुल्क स्कूटी प्रदान करेंगे। प्रदेश में संचालित शासकीय हायर सेकण्डरी विद्यालयों में सर्वोच्च अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान पाने वाले विद्यार्थी को निःशुल्क ई-स्कूटी प्रदान करने की योजना स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा संचालित की जा रही है। योजना में मध्यप्रदेश माध्यमिक शिक्षा मण्डल की कक्षा 12वीं की बोर्ड परीक्षा में शासकीय विद्यालय में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थी को स्कूटी प्रदान की जाती है। शैक्षणिक सत्र 2023-24 में शासकीय विद्यालय के किसी भी संकाय में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले करीब 7 हजार 900 विद्यार्थियों को निःशुल्क ई-स्कूटी वितरित की जायेगी।

एम्स भोपाल से 200 भूतपूर्व सैनिकों को नौकरी से निकाला

सुरक्षा इंतजामों में रहते थे तैनात, जवानों ने लिखा केंद्रीय मंत्री को पत्र

भोपाल (नप्र)। देश के प्रतिष्ठित चिकित्सा संस्थान, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में सुरक्षा व्यवस्था में कार्यरत 200 पूर्व सैनिकों को नौकरी से हटा दिया गया है। जिससे वे बेरोजगार हो गए हैं। इस फैसले से न केवल प्रभावित पूर्व सैनिकों में नाराजगी है, बल्कि सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल उठने लगे हैं। नौकरी से हटाए गए पूर्व सैनिकों ने इंडियन वेटरन ऑर्गेनाइजेशन के सहयोग से केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री को पत्र लिखकर अपनी बहाली की मांग की है।

एम्स प्रबंधन ने कहा

इस मामले पर एम्स प्रबंधन ने सफाई देते हुए कहा कि पूर्व सैनिकों का कॉन्ट्रैक्ट पीरियड समाप्त हो गया था, जिसके चलते उन्हें हटा दिया गया है। संस्थान के अधिकारियों के अनुसार, यह एक नियमित प्रक्रिया है जिसमें कान्ट्रैक्ट पूरा होने के बाद नई एजेंसी को जिम्मेदारी सौंपी जाती है। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं

किया गया कि नई एजेंसी ने पूर्व सैनिकों को दोबारा नियुक्त करने पर विचार क्यों नहीं किया। यहां मौजूद पूर्व सुरक्षाकर्मियों के अनुसार उनको मौखिक रूप से पिछले एक महीने से कहा जा रहा था कि उनका कॉन्ट्रैक्ट रिन्यू हो जाएगा। यह कांट्रेक्ट जब 31 जनवरी को खत्म हो रहा था। उसी दिन दोपहर करीब डेढ़ बजे बताया गया कि कान्ट्रैक्ट रिन्यू नहीं हो रहा है। जिसके चलते यह कर्मचारी कुछ नहीं कर सके।

भाजपा ऑफिस के सामने स्कूल संचालकों ने धरना दिया

मान्यता नियमों में बदलाव को लेकर प्रदर्शन, विधायकों से गुहार लगा चुके

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश में प्राइवेट स्कूलों के मान्यता नियमों में बदलाव को लेकर मंगलवार को स्कूल संचालकों ने बीजेपी ऑफिस के सामने धरना दिया। करीब दो घंटे तक वे ऑफिस के बाहर डटे रहे, फिर लौट गए। अब वे शिक्षा मंत्री से भी मिलेंगे। इससे पहले स्कूल संचालकों ने 10 जनवरी को हड़ताल की थी। वहीं, महीनेभर पहले स्कूल संचालक राज्य शिक्षा केंद्र कार्यालय परिसर में जमकर नारेबाजी कर चुके हैं। स्कूल संचालक इस संबंध में मुख्यमंत्री को भी ज्ञापन दे चुके हैं।

स्कूल संचालकों का कहना है कि इससे पहले हम सीएम से लेकर शिक्षा मंत्री व अपने-अपने जिलों के विधायकों के सामने इस संबंध में गुहार लगा चुके हैं। प्रदेश सचिव संचालक मंच अनुराग भार्गव ने बताया, पिछले एक साल से लगातार सीएम, मंत्री, विधायक, डीपीसी, बीआरएस से गुहार लगा चुके है। धरना प्रदर्शन भी किया है। 30 जनवरी को प्रदेश के स्कूल बंद किए गए, लेकिन मान्यता नियम में बदलाव को लेकर कुछ सुनने को तैयार नहीं है।

सरकार से इच्छा मृत्यु मांगेंगे: कोषाध्यक्ष मोनू तोमर ने कहा कि कुछ संचालक मुंडन करवाएंगे, तो कुछ सरकार से इच्छा मृत्यु मांगेंगे। प्रदर्शन में भोपाल के अलावा सिवनी, सागर, जबलपुर, टीकमगढ़, बुरहानपुर, इंदौर, बीना से भी संचालक पहुंचे। स्कूल संचालिका ललिता मेवाड़ा ने कहा कि समाज में महिलाओं के लिए शिक्षा का क्षेत्र सबसे सुरक्षित माना जाता है, लेकिन नियमों के चलते स्कूल बंद होने की कगार पर है।

इधर, तारीख बढ़ाई, 7 फरवरी तक कर सकेंगे आवेदन: प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन ने मान्यता में नियमों के बदलाव को लेकर 30 जनवरी को हड़ताल की। 31 जनवरी मान्यता के लिए आवेदन करने की आखिरी डेट थी। इस दिन करीब 2.5 हजार स्कूलों ने मान्यता के लिए आवेदन किया। इस तरह से प्रदेश में कुल 10 हजार से अधिक स्कूल मान्यता के लिए आवेदन 31 जनवरी तक कर चुके हैं।

दूसरी तरफ, विभाग ने मान्यता के लिए आवेदन करने की तिथि बढ़ा दी है। इसके लिए आदेश भी आरएसके ने जारी कर दिया है। मान्यता के लिए आवेदन करने की अंतिम तारीख 31 जनवरी से बढ़ाकर 7 फरवरी कर दिया है। राज्य शिक्षा केंद्र के अधिकारियों की माने तो अंतिम तारीख बढ़ाई तो गई है। इसके लिए स्कूल 7 फरवरी तक आवेदन कर सकते हैं।

संपादकीय

मौतें क्यों छुपा रही सरकार?

प्रयागराज में हो रहे महाकुंभ में मौनी अमावस्या की रात मची भगदड़ में हुई मौतों की सही संख्याा अभी भी भी योगी आदित्यनाथ की सरकार बताने से बच रही है। सरकार अभी भी अपने इस स्टैंड पर टिकी है भगदड़ में 30 लोगों की मौत हुई। लेकिन यह भी आधा अधूरा जवाब है, क्योंकि ये 30 मरने वाले भी कौन है, इसका स्पष्ट उत्तर प्रशासन नहीं दे रहा है। सरकार के इस टालू रवैये के खिलाफ विपक्ष लगातार हमलावर है। पहले तो संसद में राष्टपति के अभिभाषण के समय यह मुददा उठाकर अभिभाषण का बहिष्कार किया। बाद में भी सदन में सदन में इस पर चर्चा कराने की मांग कर हंगामा किया। हालांकि अध्यरक्ष ने इसकी अनुमति नहीं दी और कहा कि चूंकि राष्टपति के अभिभाषण में कुंभ मेले का जिक्र है अतः इस पर सामान्य चर्चा के दौरान ही सदस्य अपनी बात रख सकते हैं। हालांकि सरकार से सच उगलवाने के लिए राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने उलटा दांव चला। उन्होंने सदन में आरोप लगाया कि इस बार कुंभ मेले में मची भगदड़ में हजारों लोग मरे हैं। इस पर सदन में हंगामा भी हुआ। इससे नाराज सभापति जगदीप धनकड़ ने खरगे से उनका बयान वापस लेने और इसके लिए माफी मांगने के लिए कहा। जवाब में खरगे ने कहा कि यदि सरकार कुंभ भगदड़ के मृतकों के सही आंकड़े बता दे तो मैं अपने बयान के लिए माफी मांग लूंगा। यही नहीं राज्यसभा में सभी विपक्षी सदस्यों ने नियम 267 के तहत नोटिस दिया कि वे कुंभ मेले में हुए हादसे पर चर्चा चाहते हैं। सरकार क्यों नहीं बता रही है कि कितने लोग मारे गए हैं. यह अपराध है। राजद सांसद मनोज झा ने कहा कि लोग जवाबदेही चाहते हैं। इतनी जानें जाएं और सदन को अनभिज्ञ रखा जाए, यानी देश को अनभिज्ञ रखने की कोशिश। मरने के बाद तो लोगों को सम्मान दिया जाए। अजब बात यह है कि सत्तारूढ़ भाजपा महाकुंभ में की गई व्यवस्थाओंकी तारीफ तो कर रही है, लेकिन भगदड़ में निश्चित तौर पर कितने लोग मरे, इसका आंकड़ा बताने की जगह अपने बचाव में पूर्व में हुए कुंभ मेलों में हुई मौतों के आंकड़े गिना रही है। यहां दो मुख्य बाते हैं। पहला कुंभ में भगदड़ क्यों मची और दूसरा भगदड़ में निश्चित तौर कितनी मौतें हुई और मरने वाले लोग कौन थे, उनके अंतिम संस्कार की क्या व्यवस्था हुई। मोटे तौर पर यह बात साफ हो चुकी है कि प्रशासन की लापरवाही के कारण ही वहां भगदड़ की स्थिति निर्मित हुई। इससे सबक लिया गया और कुंभ के तीसरे और अंतिम स्नान के समय लोगों का आवागमन निर्बाध रखा गया, जिससे कहीं कोई गफलत नहीं हुई। लेकिन पिछले हादसे में मृत लोगों की जानकारी छुपा कर सरकार क्या हासिल करना चाहती है, समझना मुश्किल है। क्योंकि कुंभ पर जो दाग लगना था, वो तो लग चुका।कम से कम मरने वालों का सही आंकड़ा और नाम पते बताकर सरकार मृतकों के परिजनो की मदद तो कर ही सकती है। लेकिन लगता है मृतकों के आंकड़े छुपाने का कोई नीतिगत निर्णय है। इसलिए अधिकारी उस न्यायिक जांच आयोग को भी सही जवाब नहीं दे रहे हैं, जो खुद योगी सरकार ने भगदड़ की जांच के लिए बनाया हुआ है। जबकि यह हादसा कैसे हुआ, इसमें किसकी गलती थी और कितने लोग मरे, यह जानने का अधिकार देश की जनता को है। शायद सरकार इस बात से डरी हुई है कि सही मौतों का आंकड़ा उजागर करने से इस महाकुंभ की विरूदावलियों की पोल न खुल जाए। लेकिन इससे सच तो नहीं बदल जाएगा।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प के अगले फैसला से भय

नजरिया

अशोक भाटिया

लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।

ट्रम्प .... पूरी दुनिया का ध्यान इस एक नाम पर है जो इस समय आतंकित कर रहा है। उद्यमी हों, प्रशासक हों या दूसरे देशों के शासक, कल सुबह यह आदमी क्या फैसला करेगा? किसी को चुप कराने के लिए आप कौन सी नई घोषणा करेंगे? ट्रंप ने कहा, हर कोई इस सोच से तंग आ चुका है। उन्होंने कहा कि हाल ही में ट्रंप ब्रिक्स देशों से नाराज थे। उन्होंने यह भी धमकी दी कि अगर डॉलर के मुकाबले कोई अन्य मुद्रा उठाई गई तो 'याद' किया जाएगा। राष्ट्रपति सद्दाम हुसैन ने डॉलर को दफनाने के लिए यूरो मुद्रा में व्यापार को प्रोत्साहित किया; पूरी दुनिया ने देखा कि सद्दाम के साथ क्या हुआ। अमेरिका यह बर्दाश्त नहीं कर सकता कि कोई हमारे देश को नुकसान पहुंचाए।एक बार मैंने कमिटमेंट कर दी, तो मैं खुद की भी नहीं सुनता - यह फिल्मी डायलॉग ट्रंप के लिए बहुत प्रासंगिक है। ट्रंप चुनाव के दौरान किए गए हर वादे को तेजी से पूरा कर रहे हैं। अवैध रूप से अमेरिका में घुसे लोगों को पकड़ा जा रहा है। हर कोई दहशत में है। खालिस्तानी भी हैं जिन्होंने अमेरिका में रहकर भारत के खिलाफ साजिश रची; साथ ही हमास का समर्थन करने वाले छात्र !ट्रंप ने चेतावनी देते हुए कहा, मुझे पता है कि अलगाववादियों से कैसे निपटना है।

गुरपतवंत सिंह पन्नू ट्रम्प के शपथ ग्रहण समारोह के वीडियो में उपस्थित अकेले नहीं थे; ऐसा लगता है कि उन्होंने खालिस्तान के समर्थन में नारे भी लगाए हैं, जिसमें पूछा गया है, खालिस्तान समर्थकों के खिलाफ ट्रम्प का रुख क्या होगा? पन्नू की कथित हत्या को लेकर भारत और बाइडन प्रशासन के बीच टकराव चल रहा था, लेकिन ट्रंप ने तुरंत घोषणा कर दी कि वह एक-दूसरे को ढूंढेंगे और निष्कासित करेंगे। अमेरिकी पुलिस ने संयुक्त राज्य अमेरिका में रहने वाले अपराधियों और अवैध प्रवासियों को ट्रैक करने के लिए कई धार्मिक स्थलों पर छापा मारा। ट्रंप के इस कदम से उम्मीद जगी है कि अमेरिका और कनाडा धार्मिक आधार पर खालिस्तान समर्थकों को शरण दे रहे हैं।

पन्नू अमेरिकी नागरिक है, इसलिए वह भले ही भारत की हिरासत में न हो, लेकिन कनाडा में उसके साथी पकड़े जा सकते हैं। जस्टिन ट्रूडो के पद छोड़ने के बाद अब उम्मीद की जा सकती है कि कनाडा उन अपराधियों को सौंप देगा, जिनकी प्रत्यर्पण सूची भारत ने सूचीबद्ध की है।ट्रम्प ने उन छात्रों की पहचान करना शुरू कर दिया है जो शिक्षा के लिए अमेरिका में रहते हैं और फिलिस्तीनी समर्थक रैलियों में भाग लेने वाले हमास का समर्थन करते हैं, और यह स्पष्ट कर दिया है कि अमेरिकी स्वतंत्रता का लाभ उठाकर आतंकवाद का समर्थन करने वाले किसी भी

व्यक्ति को संयुक्त राज्य में रहने की अनुमति नहीं दी जाएगी ।उन्हें उनके मूल देशों में भेजा जाएगा और अगर वे देश उन्हें स्वीकार नहीं करते हैं, तो उनके लिए बड़े संकट का एक अध्याय शुरू हो जाएगा। ट्रंप ने ऐसे लोगों के लिए कुख्यात ग्वांतानामो कोस्टल जेल में 30,000 बेड तैयार करने को कहा है। ट्रम्प ने एक बिल पर हस्ताक्षर किए हैं जो चोरी और हिंसा के आरोपी अवैध प्रवासियों को मुकदमे से पहले हिरासत में रखने की अनुमति देगा।

पिछले 10 वर्षों में, संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा हर साल अनुमानित 200,000 अवैध लोगों को उनके मूल देशों में भेज दिया गया था। बराक ओबामा के चार साल के कार्यकाल के दौरान लगभग दस लाख लोगों को, बिडेन के तहत 490,000 और ट्रम्प के पहले कार्यकाल के दौरान 770,000 लोगों को निर्वासित किया गया था। ट्रम्प को इस बार सभी रिकॉर्ड तोड़ने की उम्मीद है।अवैध लोग सबसे बड़ी संख्या में मेक्सिको में प्रवेश करते हैं। चीन, अल सल्वाडोर और भारतीय वहां रहने वाले सबसे बड़े लोगों में से हैं। 2023 में, अवैध रूप से संयुक्त राज्य अमेरिका में प्रवेश करने की कोशिश करने के लिए 20,000 से अधिक भारतीयों को गिरफ्तार किया गया था। वास्तव में, संगठित गिरोह अवैध रूप से संयुक्त राज्य अमेरिका में प्रवेश करने में सक्रिय हैं। ये लोग लाखों रुपये इकट्ठा करते हैं। अमेरिका जाने और करोड़ों रुपये कमाने के भ्रम में लोगों को लूट लिया जाता है। मैं आश्वस्त हूँ। हालांकि, यह आंकड़ा लाखों तक जा सकता है।

इसके आलावा ताजा मामला अन्य देशों पर लगाए जाने वाले टैरिफ को लेकर है। ट्रंप ने हाल ही में कनाडा, मेक्सिको और चीन से आने वाले सामानों पर नए शुल्क (टैरिफ) लगाए हैं। ट्रंप ने एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए, जिसके तहत कनाडा और मेक्सिको से आने वाले सभी सामानों पर 25त्न शुल्क लगाया जाएगा। वहीं, चीन से आने वाले सामानों पर 10 फीसदी शुल्क लगाए जाने की बात कही गई है। ट्रंप और उनके समर्थकों का मानना है कि यह कदम इन देशों को अवैध प्रवासन और नशीले पदार्थों की तस्करी पर अंकुश लगाने के लिए दबाव बनाने के उद्देश्य से उठाया गया है। वहीं, ये भी कहा गया कि टैरिफ ट्रंप की आर्थिक रणनीति का हिस्सा हैं। वह इस कदम के जरिए अमेरिकी अर्थव्यवस्था को बढ़ाने, अमेरिकी लोगों के हितों की रक्षा करने और नौकरियां बढ़ाने पर जोर दे रहे हैं। चुनावी प्रचार में भी ट्रंप ने कहा था कि ये शुल्क आपके लिए कोई लागत नहीं होंगे, यह एक दूसरे देश के लिए लागत होगी। लेकिन दुनियाभर के तमाम अर्थशास्त्रियों ने ट्रंप के इस फैसले पर हैरानी जताई है। उनका कहना है कि ट्रंप का ये कदम अन्य देशों के लिए तो नुकसानदेह है ही लेकिन ये खुद आम अमेरिकियों के लिए भी एक बड़ा खतरा है।

सवाल ये उठता है कि आखिर टैरिफ का बोझ अमेरिकियों पर कैसे पड़ेगा। दरअसल, अगर अमेरिकी आयातक कंपनी टैरिफ की लागत के चलते अपने सामानों की कीमतें बढ़ा देती हैं तो इसका बोझ अमेरिकी उपभोक्ताओं पर पड़ेगा। अगर अमेरिकी आयातक कंपनी इस लागत को खुद सहन करती है और इसे उपभोक्ताओं तक नहीं पहुंचाती, तो इसे आर्थिक बोझ अमेरिकी कंपनियों के रूप में देखा जाएगा।कई अर्थशास्त्रियों ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि ट्रंप के पहले कार्यकाल (2017-2020) में लागू किए गए टैरिफ का ज्यादातर आर्थिक बोझ अमेरिकी उपभोक्ताओं ने ही उठाया। उदाहरण के लिए चीनी आयात पर लगने वाले टैरिफ के कारण इलेक्ट्रॉनिक्स, मशीनरी, खिलौने, और यहां तक कि घरेलू सामान की कीमतों में भी बढ़ोतरी हो सकती है। कोलंबिया विश्वविद्यालय के नोबेल पुरस्कार विजेता प्रोफेसर जोसेफ स्टिग्लिट्ज का कहना है कि इन टैरिफों का असर अमेरिका और दुनिया के लिए बहुत नकारात्मक होगा। यह स्पष्ट रूप से महंगाई का कारण बनेगा। कनाडा और मेक्सिको से आयातित कारों और ऑटो पार्ट्स पर टैरिफ लागू होने से अमेरिका में कारों की कीमतें बढ़ सकती हैं, और इस वृद्धि का असर न केवल कार खरीदारों पर पड़ेगा, बल्कि इस उद्योग में काम करने वाले श्रमिकों पर भी पड़ सकता है।

ट्रंप और उनके समर्थक इस टैरिफ नीति को एक मैजिकल टूल मानते हैं, जिससे व्यापार घाटे, अवैध इमिग्रेशन, और ड्रग्स की प्रोब्लम को हल किया जा सकता है। उनका मानना है कि टैरिफ न केवल अमेरिकी व्यापार को बढ़ावा देगा, बल्कि सहयोगी देशों पर भी बढ़त हासिल करेगा।ट्रंप के पहले कार्यकाल के दौरान महंगाई उतना बड़ा मुद्दा नहीं था, लेकिन मौजूदा समय में किराने के सामान, वाहनों, और अन्य जरूरी वस्तुओं की कीमतें पहले से ही आसमान छू रही हैं। टैरिफ लगाने से सामान और महंगा हो सकता है, जिससे पहले से परेशान अमेरिकियों पर और अधिक आर्थिक दबाव पड़ने की संभावना है। विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि यह टैरिफ नीति अमेरिकी अर्थव्यवस्था को मंदी की ओर धकेल सकती है। महंगाई बढ़ने से शेयर बाजार में अस्थिरता और बेरोजगारी बढ़ने का खतरा बढ़ सकता है। चुनाव के दौरान महंगाई पहले से ही एक बड़ा मुद्दा था और इस नीति से स्थिति और खराब हो सकती है।

मुख्यमंत्री के जापान दौरे से विकास को मिलेगी नई दिशा

निवेश संभावना

हर्षवर्धन पाण्डे

लेखक स्तंभकार हैं।

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की जापान यात्रा ने न केवल जापान की औद्योगिक प्रगति और विकास को करीब से समझने का अवसर प्रदान किया बल्कि वहाँ के लोगों की जीवनशैली, संस्कृति, तकनीकी विकास को भी करीब से देखा। जापान सरकार और प्रवासी भारतीयों द्वारा डॉ. यादव का गर्मजोशी से स्वागत किया गया। जापान में उनकी यात्रा का उद्देश्य एमपी और जापान के सांस्कृतिक और व्यापारिक संबंधों को मजबूत करना रहा। जब वह टोक्यो पहुंचे तो उनका वहाँ स्थानीय प्रशासन द्वारा स्वागत किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव जापान दौरे के पहले दिन टोक्यो में विभिन्न महत्वपूर्ण बैठकों और कार्यक्रमों में शामिल हुए। टोक्यो में जापान के निवेशकों और औद्योगिक संस्थानों के प्रमुखों के साथ मध्यप्रदेश में औद्योगिक गतिविधियों के बढ़ावा देने वाले क्षेत्रों और संभावनाओं के विषयों पर चर्चा की। इस दौरान मुख्यमंत्री डॉ. यादव "फ्रेंड्स ऑफ एमपी–जापान" टीम के साथ भेंट करने के साथ ही टोयोटा मोटर कॉरपोरेशन के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ औद्योगिक और निवेश सहयोग के विषय पर बैठक की जिसके बाद टोक्यो स्थित भारतीय दूतावास में "सेलिब्रेटिंग इंडिया–जापान रिलेशनशिप–फोकस मध्यप्रदेश– "रोड–शो में भी सहभागिता की ।

जापान के तकनीकी विकास से डॉ. मोहन यादव को काफी प्रभावित किया। उन्होंने देखा कि कैसे जापान अपने अत्याधुनिक तकनीकी अविष्कारों और इंफ्रास्ट्रक्चर के माध्यम से दुनिया भर में एक महत्वपूर्ण स्थान बना चुका है। वहाँ की रेल प्रणाली ने उन्हें खासा प्रभावित किया। उन्होंने बुलेट ट्रेन की सवारी की और महसूस किया कि कैसे यह तकनीकी दृष्टि से दुनिया के सबसे तेज और सुरक्षित परिवहन साधनों में से एक है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जापान एक्सटर्नल ट्रेड ऑर्गनाइजेशन के साथ टोक्यो के मिनाटो–कू में विस्तृत चर्चा की जिसमें जापानी कंपनियों के मध्यप्रदेश में निवेश को लेकर संभावनाओं और सहयोग के विभिन्न पहलुओं पर विचार–विमर्श हुआ। जेट्रो ने मध्यप्रदेश सरकार के साथ बड़े निवेश पर चर्चा की। डॉ. मोहन यादव ने जापान इंटरनेशनल कोऑपरेशन एजेंसी को मध्यप्रदेश में हाइड्रो प्रोजेक्ट में निवेश करने के लिये आमंत्रित किया। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चिकित्सा उपकरणों का उत्पादन करने वाली कंपनी एएनडीडी मेडिकल के निदेशक डाइकी अराई ने मध्य प्रदेश में निर्माण इकाई स्थापित करने की मंशा जाहिर की ।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने टोक्यो में एएनडी मेडिकल कम्पनी के निदेशक डाइकी अराई से मुलाकात कर मध्यप्रदेश में चिकित्सा उपकरण निर्माण के अवसरों पर विस्तृत चर्चा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उज्जैन के अत्याधुनिक मेडिकल डिवाइस पार्क में निवेश के लिये आमंत्रित करते हुए कहा कि मध्यप्रदेश सरकार औद्योगिक इकाइयों को रियायती दरों पर भूमि उपलब्ध करा रही है। उन्होंने इस पार्क को भारत के तेजी से विकसित हो रहे हेल्थ केयर और मेडिकल डिवाइस सेक्टर का एक महत्वपूर्ण केन्द्र बताया। उज्जैन में बन रहे मेडिकल डिवाइस और मुख्य रूप से मेडिकल सेक्टर के लिए भी जापान के उद्योगपतियों से निवेश की बात कही है। सीएम डॉ. यादव के प्रयासों से मध्य प्रदेश में मेडिकल और फार्मास्यूटिकल मैन्युफैक्चरिंग का नया हब बनने जा रहा है जिसके लिए जापान से निवेशकों के बड़े प्रस्ताव भी मिले हैं। उन्होंने सिस्मेक्स की अत्याधुनिक मेडिकल डिवाइस निर्माण तकनीक का अवलोकन किया और मध्यप्रदेश में सिस्मेक्स को आमंत्रित किया।

एएंडडी मेडिकल ने मध्यप्रदेश में अपनी निर्माण इकाई स्थापित करने में विशेष रूचि दिखाते हुए इसे वर्ष के अंत तक इसे शुरू करने की बात कही है। जापान की एएंडडी मेडिकल कम्पनी वैश्विक स्तर पर चिकित्सा उपकरण और स्वास्थ्य निगरानी उत्पादों का उत्पादन करती है। डॉ. मोहन यादव ने कोबे और ओसाका में स्थित हेल्थ केयर और डॉयग्नोस्टिक कम्पनी साइसमेक्स प्रमुख औद्योगिक कम्पनियों के उद्योगपतियों के साथ बैठक की और हेल्थ केयर, ऊर्जा और मैन्युफेक्चरिंग क्षेत्रों में निवेश एवं साझेदारी पर भी चर्चा की। उन्होंने जापानी कार निर्माता कंपनी 'टोयोटा मोटर कॉरपोरेशन' के वरिष्ठ अधिकारियों से भी मुलाकात कर उनसे मध्य प्रदेश में निवेश की संभावनाओं पर चर्चा की ।पैनासोनिक एनर्जी कपंनी लिमिटेड, डॉयग्नोस्टिक कंपनी साइसमेक्स सहित कई औद्योगिक कंपनियों ने बैटरी निर्माण और प्रदेश में ऊर्जा भंडारण के क्षेत्र में गहरी रूचि दिखाई और एमपी में भरपूर निवेश का भरोसा दिलाया। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने अपने जापान दौरे में प्रवासी भारतीयों की प्रशंसा करते हुए कहा कि आपने जो नींव तैयार की है उसका फायदा भारत की आने वाली पीढ़ियों को मिलेगा ।जापान की यात्रा डॉ.मोहन यादव के लिए एक अद्वितीय अनुभव है। जापान में डॉ. यादव की सादगी लोगों के दिल में उतर गई। डॉ. यादव ने अपने सोशल मीडिया में एक ऐसा वीडियो शेयर किया जो खूब वायरल हो रहा है जिसे देखकर लोग भावुक हो रहे हैं। इस वीडियो में उनके सहज, सरल और आकर्षक व्यक्तित्व की विलक्षण छाप देखने को मिल रही है। लोग जापानी अंदाज और भाषा में उन्हें विदाई दे रहे हैं। इम्पीरियल होटल से चेक–आउट करते समय होटल के सदस्यों ने बड़ी देर तक खड़े होकर उनके लिए तालियां बजाईं और तस्वीरें खिंचवाईं। लोग तब तक होटल के मुख्य द्वारा पर खड़े रहे, जब तक सीएम डॉ. यादव कार में नहीं बैठे।

मध्य प्रदेश वैश्विक निवेशक शिखर सम्मेलन 24–25 फरवरी 2025 को भोपाल में आयोजित होगा और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस कार्यक्रम का उद्घाटन करेंगे। इस दो दिवसीय शिखर सम्मेलन में 30 से अधिक देशों के 15,000 से अधिक निवेशकों के शामिल होने की उम्मीद है। यह सम्मेलन उद्योगपतियों के लिए आकर्षण का एक प्रमुख केंद्र होगा। इस बार की समिट में जापान कंट्री पार्टनर होगा जिससे दोनों देशों के बीच आर्थिक सहयोग को मजबूती मिलेगी। जापानी निवेशकों के अलावा अन्य देशों के भी निवेशक इस समिट में भाग लेंगे। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2025 मध्य प्रदेश के आर्थिक विकास के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर साबित होगी। इस आयोजन से नए उद्योगों की स्थापना, रोजगार के अवसरों में वृद्धि और राज्य की औद्योगिक छवि को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने की उम्मीद है। कहा जा सकता है कि डॉ.मोहन यादव का जापान दौरा एमपी में जापानी कंपनियों के बीच निवेश को बढ़ावा देने में कारगर साबित हुआ है। उन्होंने अपनी चार दिन की जापान यात्रा में न केवल जापान के प्रमुख उद्योगपतियों से मुलाकात की और निवेश और व्यापार के नए अवसरों को तराशा बल्कि जापानी समाज और संस्कृति को समझने का एक महत्वपूर्ण अवसर प्रदान किया। उन्होंने वहाँ की तकनीकी प्रगति, कला, संस्कृति और व्यापारिक दृष्टिकोण को अपनी यात्रा के अनुभवों में समाहित किया। यह यात्रा मध्यप्रदेश और जापान के बीच संबंधों को प्रगाढ़ करने में भी सहायक साबित हुई है।

पुस्तक पढ़ने वाले तितली जैसे होते हैं

पुस्तकों का मेला

ध्रुव शुक्ल

लेखक साहित्यकार हैं।

अक्सर उन पुस्तकों के बारे में सोचता हूँ जो लम्बे समय तक प्रतीक्षा करती हैं कि कोई उन्हें पढ़े। पुस्तकें उस प्रेमिका की तरह लगती हैं जिससे हमारा अपरिचय ही उसके करीब जाने को बार-बार विवश करता है। करीब आने से प्रिया ऐसे खुलती है जैसे कोई किताब खुल रही हो। प्रेम अकेली किताब के फड़फड़ाते पन्नों जैसा है। उसे एकान्त में थामने के लिए दोनों हाथ और उत्सुक आंखें चाहिए।

जीवन में किसी किताब का आना उस आईने जैसा है जिसमें हम अपनी छबि के अन्तरंग को देख पाते हैं। हमें वह किताब जीवन के उन अंधेरे कोनों में ले जाती है जहां हम कभी गये ही नहीं। जीवन में शब्दों का एकान्त जुगनुओं की झिलमिल जैसा है। हम जब अकेले चल रहे होते हैं तब सितारों की रौशनी के आभास में पगडण्डी दिखायी देती है। कहीं घने वृक्षों पर जुगनुओं का आलोक दिपदिपाता है। किताबें ऐसे ही आलोक से भरकर वाक्यों के बीच शब्दों की राह बनाती हुई हमारे करीब आती हैं।

किताबों से ही यह उम्मीद है कि रोज़-ब-रोज़ थोड़े-थोड़े बढ़ते जाते अंधेरे में वे बची रहेंगी और प्रेमिका की तरह किसी न किसी मोड़ पर मिल जायेंगी । वे उत्सुकता से हमारी ओर निहार रही होंगी। किताबों में जीवन की कविता की राहों का नक्शा है जिनके दोनों ओर बिना किसी अतिक्रमण के कहानियों की छोटी-छोटी बस्तियां और उपन्यासों के शहर बसाये जा रहे हैं। किसी चाय की गुमटी पर लेखक अकेला बैठा है। शब्दों में डूबीं स्मृतियाँ सबके साथ चल रही हैं।

शहद को संचित करती मधुमक्खियों को देखकर लगता है कि बड़े धीरज से कोई पुस्तक लिखी जा रही है। जैसे पूर्वजों के स्तवनों से भरे बहुअर्थी शब्द एक-दूसरे के बहुत करीब आकर परस्पर आश्रय में किसी गहरी रसनिष्पत्ति के लिए तप कर रहे हों। यह तप पुस्तक के पाठक के पड़ोस में ही या कभी उसी के मकान के किसी ऊँचे छज्जे पर हो रहा है और हजारों शब्दों के बीच लेखक रानी मधुमाखी की तरह अदृश्य है। पाठक कृति के पकने की प्रतीक्षा कर रहे हैं।

किसी उपवन में बहुरंगे फूलों को देखकर लगता है कि वे बरन-बरन की कृतियों जैसे हैं और पाठक उन पर तितलियों की तरह ध्यान लगाये हैं। तितलियाँ एक फूल से उड़कर दूसरे फूल पर बैठ जाती हैं जैसे एक कृति का मर्म दूसरी कृति को बता रही हों। प्रसिद्ध शाइर अख़्तरुल ईमान की एक लम्बी नज़्म ऐसे ही शुरू होती है तितलियाँ फूल से फूल पर यों जाती हैं जैसे कोई बात हो जो कान में कहनी है अभी। तितलियाँ फूलों के रंग में ऐसी डूबी दिखती हैं जैसे कोई पाठक किसी कृति की गहराई में डूबा हुआ हो।अच्छे पाठकों को कृतियाँ उन नदियों जैसी भी लगती होंगी जिनमें वे अपनी नौका डालकर जीवन के बहुरंगी किनारों की थाह ख़ुद ही ले लिया करते हैं। जिस तरह अकेला लेखक कृति की ओट में छिपा रहता है उसी तरह पाठक भी कृति के मर्म में डूबकर अदृश्य ही बना रहता है। आजकल पाठकों के अभाव की घोषणा करते लेखक खूब दीखते हैं। वे किताब को हाथ में लेकर सबको दिखाते हैं पर कृति उतनी नहीं जितने लेखक ही दीखते हैं। लेखकों के होने का इतना शोर है कि अक्सर पता ही नहीं चलता कि कृति का फूल कहाँ खिला है। पुस्तक मेले में तितलियों की तरह व्याकुल पाठक अपने लिए वह कृति-सुख खोज रहे होंगे जो किसी लेखक के स्वान्तः सुख के फूल की तरह खिला है।

स्वामी, सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक उमेश त्रिवेदी द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं डी-100/46, शिवाजी नगर भोपाल से प्रकाशित।

प्रधान संपादक
उमेश त्रिवेदी
कार्यकारी प्रधान संपादक
अजय बोकिल
संपादक (मध्यप्रदेश)
विनोद तिवारी
वरिष्ठ संपादक
पंकज शुक्ला
प्रबंध संपादक
अरुण पटेल
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2003/ 10923,
Ph. No. 0755-2422692, 4059111
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

वह व्यवस्था ही क्या जो चरमराए नहीं!

व्यंग्य

गोविन्द सेन

लेखक व्यंग्यकार हैं।

भीड़ और भगदड़ की एक ही राशि है। दोनों ही 'भ' से शुरू होते हैं। जहाँ भीड़ होगी, वहाँ भगदड़ भी होगी। बिना भीड़ के भगदड़ नहीं हो सकती। जहाँ भीड़ होगी वहाँ व्यवस्था भी चरमराएगी। वह व्यवस्था ही क्या जो चरमराए नहीं! व्यवस्था का धर्म ही चरमराना है। घर में यदि आपने दो मेहमान की व्यवस्था की है और आ गए बीस तो व्यवस्था का चरमराना लाज़िमी है। मानाकि आपने ढोल बीस का बजाया था। ढोल तो बजाने के लिए ही होते हैं। यही तो परम्परा है। ढोल पर यकीन करने वाले मूरख हैं। उन्हें परम्परा का ज्ञान ही नहीं। बुलाने वाला तो बेचारा ढोल बजाने को विवश है। उसने बीस का ढोल बजा दिया। जब ढोल गले में टंगा हो तो कौन मूरख होगा जो तबीयत से नहीं बजाएगा। भीड़ को सोचना चाहिए कि ढोल में तो पोल होती ही है। यह कई बार सिद्ध भी हो चुका है। लेकिन वही बात कि भीड़ तो दिमाग से पैदल होती है। यदि वह सोचती तो भीड़ क्यों होती!

युवा बाबा टपोरीदास हमेशा सच बोलता है। उसके मुख से सत्य वचन ही निकलता है। वह शास्त्रों में लिखा ही हुआ बोलता है। वह शास्त्रों को घोटकर पी चुका है। वह खुद शास्त्र हो गया है। वह कहता है कि फलाँ नदी का पानी पवित्र है तो, पवित्र है। उस नदी में फलाँ तिथि को नहाने से (माफ़ करिए स्नान करने से, नहाते तो बाथरूम में साधारण पानी से हैं) पाप धुलते हैं तो धुलते हैं। यहाँ भगदड़ में कोई मर जाता है तो सिर्फ़ मरता नहीं है, सीधे मोक्ष को पा जाता है।

एक दिन तो सभी को मरना ही है। आज नहीं तो दस साल बाद। हम सब चल संपत्ति हैं, कोई अचल संपति तो हैं नहीं जो टिके रहेंगे। आखिर चले ही जाना है। ख़ाली हाथ आना है और खाली हाथ जाना है। सिकंदर भी खाली हाथ गया था तो हम किस खेत की मूली हैं। लेकिन खास तिथि और स्थान पर मरो तो मोक्ष मिलने की फुल ग्यारंटी रहती है। मर भी गए और मोक्ष भी मिला, डबल फायदा। मोक्ष के बाद आत्मा जन्म-मरण के बंधन से मुक्त हो जाती है। दुनियावी चिंताओं से छूट जाती है। रोटी, कपड़ा, मकान और तमाम दीगर चिंताओं से सदा के लिए मुक्ति। ब्रह्माण्ड में मस्ती से आनंदित होकर घूमो। शरीर तो आत्मा का कपड़ा है। मरने के बाद उस कपड़े का कुछ भी हश्र हो, उससे हमें क्या मतलब।

कुछ सिरफिरे सवाल करते हैं कि यदि मोक्ष इतना ही अच्छा है तो फिर वीआयपी और टपोरीदास जैसे बाबा मोक्ष पाना क्यों नहीं चाहते। मोक्ष गरीबों, भोले और कमजोरों को ही क्यों मिलता है। सीधी सी बात है कि जिन्हें जीते जी मोक्ष मिल गया हो वे फालतू मरें क्यों? उनका मोक्ष तो इसी धरती पर है। जिनका जीवन नरक है वही मोक्ष की तमन्ना रखते हैं। फिर ये न रहे तो भीड़ को गाइड कौन करेगा। प्रवचन देकर मोक्ष की राह कौन दिखाएगा।

भीड़ में अफवाह बखूबी फैलती है। अफवाहों से सावधान कौन रहता है। कुछ तत्व ऐसे होते हैं जो अफवाह को आग की तरह फैला देते हैं। खुद दूर रहकर तमाशा देखते हैं। भगदड़ मचती है और उसमें वे अपना उल्लू सीधा कर लेते हैं। लूटपाट कर लेते हैं। व्यवस्था को कोस लेते हैं। इधर व्यवस्था मौतों पर रोकर अपने कर्त्तव्य की इतिश्री कर लेती है। इस तरह भीड़ और भगदड़ हमेशा बनी रहती है। इनका भविष्य उज्ज्वल है। ये दोनों मिलकर मोक्ष का पथ प्रशस्त करते रहेंगे।

ग्राम्य विकास

हेमा रावल

गांव में विकास के लिए जरूरी है सड़क

सड़कों का जाल पहाड़ों की जीवन रेखा माना जाता है, लेकिन उत्तराखंड के दूरस्थ गांवों में सड़क कनेक्टिविटी अब भी एक चुनौती बनी हुई है। पिछले कुछ वर्षों में सरकार ने सड़कों के निर्माण पर जोर दिया है, लेकिन विभिन्न कारणों से कई सड़कें आज भी अधूरी पड़ी है। करीब 500 की आबादी वाले सुराग गांव के लोगों को भी सड़क का इंतज़ार है। इस संबंध में 45 वर्षीय नंदी देवी बताती हैं कि सुराग गांव के लिए स्वीकृत सड़क का निर्माण अभी तक नहीं हो सका है, जिससे ग्रामीणों में निराशा है। हालांकि इसके लिए गांव वालों ने कई बार शासन-प्रशासन से मांग की, लेकिन अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। हालांकि सुराग से भगदानू जाने वाली सड़क का सर्वेक्षण भी किया जा चुका है।

एक फरवरी को प्रस्तुत केन्द्रीय बजट में ग्रामीण सड़कों के निर्माण के लिए प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना और अन्य ग्रामीण सड़क परियोजनाओं के तहत लगभग 70,000 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं. इस राशि का उपयोग देश के ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क नेटवर्क को मजबूत करने और बुनियादी ढांचे के विकास में किया जाएगा. दरअसल आज भी हमारे देश में कई ऐसे ग्रामीण क्षेत्र हैं जहां सड़क का अभाव है. इनमें उत्तराखंड भी शामिल है. इस पहाड़ी राज्य के कई ऐसे ग्रामीण क्षेत्र हैं जहां सड़कों का अभाव विकास की राह में सबसे बड़ी बाधा बनी हुई हैं. राज्य के बागेश्वर जिला स्थित गरुड़ ब्लॉक का सुराग और भगदानू गांव इसका उदाहरण है. सुराग पंचायत स्थित इन दोनों गांवों की सड़कें आज भी बदहाल स्थिति में हैं. इन ग्रामीण इलाकों में सड़क निर्माण की मांग वर्षों से की जा रही है, लेकिन अभी तक इसका कोई ठोस समाधान नहीं निकला है।

इस संबंध में सुराग के 70 वर्षीय बुजुर्ग केदार सिंह कहते हैं कि हमें अपने जीवन में रोजमर्रा की सुविधा के लिए भी संघर्ष करनी पड़ती है. गांव में सड़क नहीं होने के कारण बहुत सारी कठिनाइयों से गुजरना पड़ता है. सबसे अधिक परेशानी बारिश के दिनों में होती है जब कच्ची सड़क होने के कारण वह फिसलन भरी हो जाती है. जिस पर से इंसान और जानवरों का गुजरना मुश्किल हो जाता है. मवेशी पालन ग्रामीण अर्थव्यवस्था का एक बड़ा माध्यम होता है. प्रतिदिन मवेशियों को चराने के लिए पहाड़ों पर ले जाना पड़ता है. लेकिन बारिश के दिनों में अक्सर मवेशी कच्ची सड़क से फिसल कर पहाड़ के नीचे गिर जाते हैं. बहुत ही मुश्किल होता है ऐसे समय में हमें अपने कामों को करना. वह कहते हैं कि पहाड़ों पर जब बारिश होती है तो कई दिनों तक चलती है, ऐसे में मवेशियों को भूखा नहीं रखा जा सकता है. अगर पक्की सड़क होती तो हमारा जीवन भी आसान होता।

सड़कों का जाल पहाड़ों की जीवन रेखा माना जाता है, लेकिन उत्तराखंड के दूरस्थ गांवों में सड़क कनेक्टिविटी अब भी एक चुनौती बनी हुई है। पिछले कुछ वर्षों में सरकार ने सड़कों के निर्माण पर जोर दिया है, लेकिन विभिन्न कारणों से कई सड़कें आज भी अधूरी पड़ी है. करीब 500 की आबादी वाले सुराग गांव के लोगों को भी सड़क का इंतज़ार है. इस संबंध में 45 वर्षीय नंदी देवी बताती हैं कि सुराग गांव के लिए स्वीकृत सड़क का निर्माण अभी तक नहीं हो सका है, जिससे ग्रामीणों में निराशा है. हालांकि इसके लिए गांव वालों ने कई बार शासन-प्रशासन से मांग की, लेकिन अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है. हालांकि सुराग से भगदानू जाने वाली सड़क का सर्वेक्षण भी किया जा चुका है, लेकिन इसके बाद कोई ठोस प्रगति नहीं हुई। वह कहती हैं कि सड़क नहीं होने से सबसे अधिक परेशानी महिलाओं और बुजुर्गों को होती है, जिन्हें जरूरत के समय गाड़ी उपलब्ध नहीं हो पाती है. सड़क नहीं होने के कारण कोई भी गाड़ी इस क्षेत्र में आने को तैयार नहीं होती है. बरसात के दिनों में कच्ची सड़कें पूरी तरह से कीचड़ में बदल जाती हैं, जिससे गाड़ियों का आवागमन बहुत मुश्किल हो जाता है.

सड़क की खराब हालत पर 10वीं में पढ़ने वाली गांव की एक किशोरी भावना रावल कहती है कि हमारा स्कूल राजकीय इंटर कॉलेज, सैलानी गांव से लगभग 9 किमी दूर है. जहां पहुँचने के लिए मुझे रोजाना 5 किमी इसी कच्ची सड़क से होकर जाना पड़ता है. रोड नहीं होने की वजह से यहां गाड़ियां नहीं चलती हैं. अन्य मौसम में हमें बहुत अधिक दिक्कत नहीं होती है लेकिन बारिश के दिनों में हम बच्चे अक्सर कीचड़ से सने स्कूल ड्रेस में स्कूल पहुंचते हैं. कई बार अत्याधिक वर्षा के कारण हम स्कूल तक नहीं जा पाते हैं. जिससे हमारी पढ़ाई का नुकसान होता है। वहीं एक अन्य किशोरी 18 वर्षीय कविता का कहना है कि बरसात और सर्दियों के दिनों में हमें स्कूल जाने में बहुत ही कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है. साल के आधे महीने हमारी पढ़ाई इन्हीं कारणों से बाधित

रहती है. कच्ची और खराब सड़क होने की वजह से पहाड़ से गिरने का भी खतरा बना रहता है. जरूरत के समय यदि कहीं जाना हो तो कोई साधन ही नहीं मिलता है।

इस संबंध में सुराग की ग्राम प्रधान चंपा देवी कहती हैं कि सुराग और भगदानू गांव में सड़क या तो पिछले कई वर्षों से निर्माणाधीन हैं या पूरी तरह अनुपलब्ध हैं. जिससे हर वर्ग को परेशानी हो रही है. पिछले साल ग्रामीणों ने सुराग-भगदानू सड़क निर्माण के लिए आंदोलन और धरना प्रदर्शन भी किया था. लेकिन अभी तक समस्या का हल नहीं निकल सका है. पंचायत की ओर से भी इस सिलसिले में लगातार प्रयास किए जा रहे हैं लेकिन इसका कोई ठोस हल नहीं निकल सका है. वहीं सरकार की ओर से पक्ष रखते हुए एसडीएम गरुड़ जितेंद्र वर्मा कहते हैं कि कई बार प्राकृतिक आपदा के कारण भी निर्मित सड़क टूट जाती है. जिससे लोगों को परेशानियाँ उठानी पड़ती हैं. इसके अतिरिक्त कुछ जगहों पर सड़क निर्माण नहीं होने के पीछे अन्य कारण भी हैं. गांव तक सड़क निर्माण के लिए कुछ निजी ज़मीनों का अधिग्रहण करणी होगी. जिसके लिए ग्रामीणों से बातचीत चल रही है. वह कहते हैं कि सरकार गांव गांव तक सड़क का जाल बिछाने के लिए प्रतिबद्ध है. इस दिशा में लगातार प्रयास जारी है. सुराग और भगदानू गांव में भी सड़क निर्माण के लिए आ रही बाधाओं को दूर कर लिया जाएगा. जिससे गांव वालों का जीवन आसान हो सके।

उत्तराखंड में अब तक कुल 33,512 किमी सड़कों का निर्माण किया जा चुका है, और 171 किमी नई सड़कों के निर्माण का लक्ष्य वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए रखा गया है. प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत पिछले दो वर्षों में राज्य में 1,481 किमी नई सड़कें बनी हैं, जिससे 519 नई सड़कों और 195 पुलों का लाभ ग्रामीण क्षेत्रों को मिला है. इससे दूरस्थ गांवों को मुख्य सड़कों से जोड़ा गया है, जिससे यहां शिक्षा, स्वास्थ्य और व्यापार के अवसरों में वृद्धि हुई है. लेकिन सुराग और भगदानू गांवों की सड़कें आज भी बदहाल स्थिति में हैं, जिससे स्थानीय लोगों को समस्याओं का सामना करना पड़ता है. हालांकि केन्द्रीय बजट में जिस प्रकार से ग्रामीण सड़कों के विकास के लिए एक बड़ी राशि आवंटित की गई है, उससे आशा की जा सकती है कि इसका लाभ उत्तराखंड के इन दूरस्थ गांवों को भी मिलेगा. इसके अतिरिक्त यदि सरकार, प्रशासन और स्थानीय लोगों की भागीदारी से सड़क निर्माण कार्य को प्राथमिकता दी जाए, तो जल्द ही ऐसे गांवों में विकास की नई रोशनी पहुंच सकती है। **(चरखा फीचर्स)**

दर्शन

विवेक कुमार मिश्र

लेखक हिंदी के प्रोफेसर हैं।

ज्ञान को विस्तारित करने में ही अपनी मुक्ति समझना

जिसे बहाना बनाना आता है वह तरह तरह से बहाने ही बनाता रहता है । हजारों तरीके हैं बहाना बनाने के और न करने के ... यह स्वभाव होता है । जो नहीं कहना न जानता हो या जो संकोचवश न नहीं कर पाता वह अपनी और संसार की हजारों उलझनों में उलझा रहता है । संसार को अपने आसपास को खुली आंखों से देखते रहे तो तरह तरह के लोग न केवल सोचने का अवसर देते हैं बल्कि उनको देखते हुए विचार प्रक्रिया ही चल पड़ती है । कोई है जिसे किसी की भी मदद करने में आनंद आता है । उसका स्वभाव है और उस स्वभाव से वह मदद करता रहता है । हर समय गतिशील मुद्रा में दिखता है। एक कार्य पूरा होता है कि दूसरा सामने आ जाता है । उसके पास कभी भी किसी कार्य की कोई कमी नहीं होती है । वह हमेशा कार्यों के ढ़ेर पर बैठा रहता है । इस तरह उसके पास बहुत सारा कौशल व हुनर आ जाता है । उसके कार्य चलते ही रहते हैं । हजारों तरह से उसके पास नये नये कार्य आते हैं और हर कार्य को एक न एक तरकीब लगा कर वह पूरा करता है ।

कोई भी कार्य क्यों न हो जब वह पूर्ण होता है तो एक सार्थकता की अनुभूति होती है । आपके सोचने के तरीके में बदलाव आता है । हर स्थिति परिस्थिति नये सिरे से चीजों को समझने का अवसर देती है । आपके भीतर संघर्ष की क्षमता विकसित होती है । बहुत बार यह देखने में आता है कि एक आदमी 60 साल के बाद नये सिरे से कार्य शुरु करता है एक नया उद्योग शुरु कर देता है और शुरू ही नहीं करता बल्कि उस फिल्ड में सफल भी होता है तो यह उस आदमी के साहस और कार्य शैली का ही प्रमाण है कि वह कभी भी कुछ भी कर सकता है और ऐसे आदमी हजारों लाखों लोगों के लिए प्रेरक होते हैं । कभी भी केवल लिखित संदेश से आप किसी के लिए प्रेरक नहीं हो सकते हैं आप कार्य करते हुए ही अन्य को भी कार्य करने के लिए प्रेरित कर सकते हैं । हर कार्य अपने समय संसार में आपका विस्तार ही करता है । आदमी तभी विस्तार कर पाता है जब वह कदम बढ़ाने को तैयार हो । वह चलें , गति में रहे तो उसके हर कदम में एक नया संसार होता है । जो लोग हर कार्य में मीन मेख निकालने में लगे रहते हैं या न करने का बहाना खोजते रहते हैं वे किसी और के लिए नहीं सबसे पहले अपने लिए ही रास्ता बंद करते हैं । आप एक काम करते हैं तो दस काम के रास्ते खुलते हैं मुक्तिबोध की कविता है-

मुझे कदम कदम पर मिलते हैं चौराहे /
एक कदम बढ़ाता हूं कि हजार राहें फूटती हैं ।

यह हजार राहों का फूटना ही कर्म और विचारों की बहुलता का भी रास्ता है कि आप एक बार कदम बढ़ाएं तो फिर राहें कभी भी बंद नहीं होगी , समय के साथ संसार क्रम में नये नये रास्ते खुलते ही जायेंगे ।

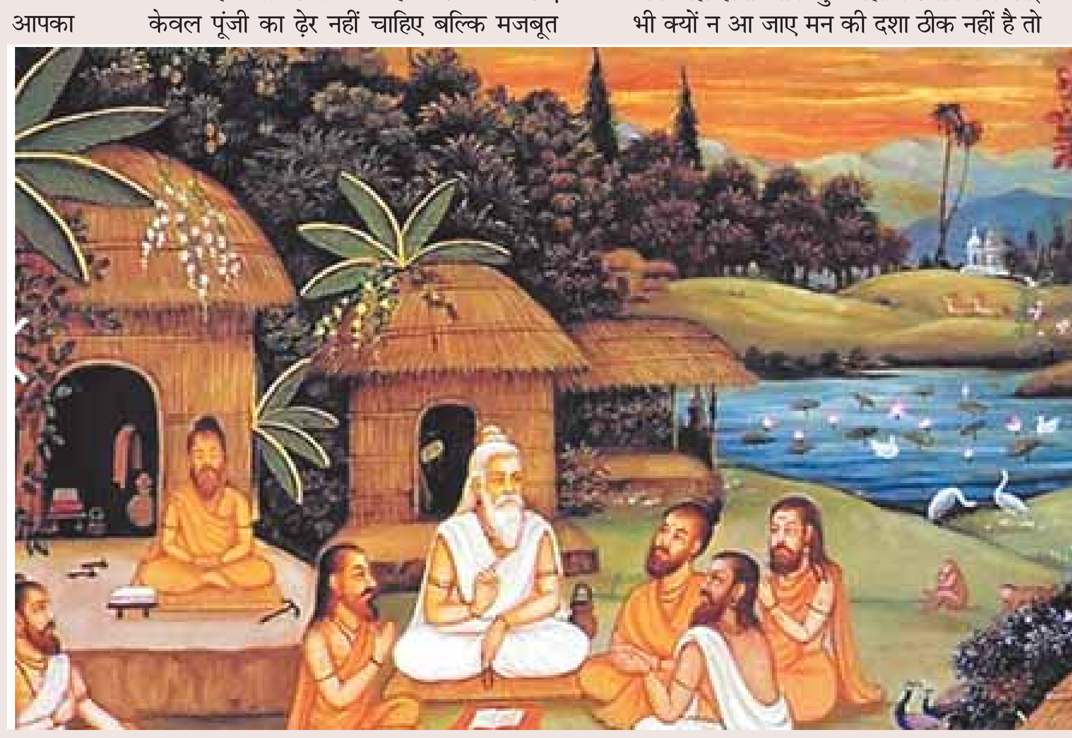

आदमी यदि सही ढ़ंग से, उत्साह के साथ, उर्जा के साथ कुछ भी करने के लिए आगे बढ़ता है तो सफलता और सार्थकता दोनों ही उसके आसपास होती है । एक बार आप कदम बढ़ा कर देखें, फिर हजारों रास्ते खुल जाते हैं । यह जो मन की खिन्नता है यहीं सबसे बड़ी बांधा है । कार्य करने के लिए अपार उत्साह की जरूरत होती है और जब आप उर्जा से परिपूर्ण होकर चलते हैं तो सभी मुश्किलें हल होने लगती हैं । संसाधनों का रोना जो रोते हैं वे रोते ही रह जाते हैं हर आदमी के पास संसाधन नहीं होता पर हर आदमी कार्य को लेकर अपने ढ़ंग से आगे बढ़ सकता है। अपनी सफलता की कहानी रच सकता है । सफलता की कहानी रचने के लिए केवल पूंजी का ढ़ेर नहीं चाहिए बल्कि मजबूत संकल्प और साहस ही वह शस्त्र है जिसके बल पर अभावों के बीच भी नये सिरे से रास्ते बनाए जाते हैं ।

एक आदमी है और बस है। इस है वाली स्थिति से वह निकलना ही नहीं चाहता। इस क्रम में संसार को कोसता रहता है। अरे भाई संसार को कोसने से क्या होगा। आप कुछ करें, थोड़ा आगे बढ़े यदि आप आगे बढ़ते हैं तो संसार भी साथ साथ गति करेगा और आपकी गति में साथ देगा । पर इन्हें कुछ करना नहीं है । आप इनसे कुछ भी करा नहीं सकते । कार्य करने के लिए मन की शक्ति और मन की दशा होती है । जब तक मन की दशा ठीक नहीं होगी आप कुछ नहीं कर सकते । कोई भी क्यों न आ जाए मन की दशा ठीक नहीं है तो वह कुछ नहीं कर सकता । अब आप चाहें जितना समय और किस्मत को दोष देते रहे कुछ नहीं होने वाला है ।

संसार में ऐसे लोगों की कोई कमी नहीं है जो अपने लिए तो सारे जतन, सारे कार्य कर लेंगे करते हैं , पर अन्य संसार के लिए कुछ भी न करने की ठान रखी है । इस स्थिति में उनके पास एक तर्क रहता है कि क्या करें अपने को कुछ आता ही नहीं । जमाना बदल गया । हम तो इस ज़माने में मिसफिट हैं भाई । अब ठीक है जो अपने से बन जाता है वह कर लेते हैं । अब तो सारा काम नये जमाने के नये लोग करेंगे । अपनी बारी तो तमाशा देखने की है और इस तरह से तमाशा देखने का काम करते रहते हैं । एक आदमी इस तरह से भी होता है कि अपनी पूरी क्षमता भर जो भी कार्य होता है उसे करता है, यदि कुछ नहीं समझ में आता तो अन्य समझदार लोगों से सीखता है और सीखे हुए ज्ञान को अन्य के बीच भी बांटता रहता है । ज्ञान केवल किसी एक के लिए नहीं है वह ज्ञान को विस्तारित करने में ही अपनी मुक्ति समझता है ।

आदमी अपनी पूरी ताकत बहाने बनाने में ही लगा देता है । वह कुछ भी कर सकता है । यदि ठान लिया कि नहीं करना है तो कुछ भी नहीं करना है । बहाने तो बहाने ही होते हैं । हजार तरह से बनाते रहते हैं । ऐसे ऐसे बहाने की मत पूछिए । बहाने भी उनसे शरमाने लगता है । कुछ लोगों के पास कोई काम हो या न हो पर वे इतने व्यस्त होने का दिखावा करते हैं कि संसार का सारा भार उन्हीं के पास हो । बहाना भी ऐसे ऐसे की हैरान हो जाये । वे कहेंगे कि हवा लें रहे थे ताजी हवा । अब आप तो जानते ही हैं कि इस ज़माने में ताजी हवा आसानी से नहीं मिलती तो सोचा कि यहां ताजी हवा मिल रही है तो थोड़ी ताजी हवा ले लिया जाए । हवा पानी वे समय समय पर लेते रहते हैं और इसे सबसे बड़ा काम मानते हैं । दुनिया में उनसे व्यस्त कोई नहीं है । हर समय व्यस्त ही रहते हैं और कोई ऐसा काम भी नहीं कि उनका काम कोई देख लें । उनका काम दिखता नहीं है । अब हवा पानी कहां कोई देख पाता । अब कोई हवा पी रहा है या पानी पी रहा है या नहीं पी रहा है तो इससे किसी का भी कोई लेना देना नहीं है । संसार को समझने के लिए आदमी चल देता है व्यस्तता के महा संसार में...।

धर्म संस्कार

वीरेंद्र जैन

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

एक धर्म संघ जो हर वर्ष अपने संविधान के प्रति दर्शाता है निष्ठा

पिछले दिनों गत 26 जनवरी को ही हम भारतवासियों ने 76 वां गणतंत्र दिवस मनाया और अपने संविधान के प्रति अपनी आस्था व प्रतिबद्धता तथा अपने राष्ट्र ध्वज तिरंगे के प्रति अपना आदर व सम्मान दर्शाया है। देश में ऐसा धर्म संघ भी है जिस का अपना संविधान कोई डेढ़ सौ वर्षों से भी अधिक पुराना है और वह भी प्रतिवर्ष अपने संविधान और अपनी मर्यादाओं के पालन का संकल्प हर वर्ष दोहराता है। यह धर्म संघ है जैन समाज का तेरापंथ धर्म संघ जिसके आचार्य श्री भिक्षु द्वारा मर्यादा के रूप में इस संघ का संविधान बनाया गया और बाद में आचार्य श्री जयाचार्य द्वारा उसे हर वर्ष मर्यादा महोत्सव के रूप में मनाया जाना प्रारंभ किया गया।

निश्चित ही जो भी विभिन्न धर्म संघ होते हैं उन सभी में मर्यादाओं का उल्लेख रहता है और मोटे तौर पर धर्म मर्यादा, अनुशासन, संयम, अहिंसा, सत्य आदि के बारे में मनुष्य को आचार संहिता का ज्ञान करवाते हैं। जैन समाज के तेरापंथ समाज की जो धर्म परंपरा है उसमें मर्यादाओं पर विशेष बल दिया गया है। साधु-साध्वी, श्रावक-श्राविका इस प्रकार इन चार अंगों का एक चतुवीर्द संघ माना गया है। तेरापंथ धर्म संघ के साहित्य के अनुसार इस चतुर्विद धर्म संघ में कोई डेढ़ सौ वर्ष पूर्व आचार्य भिक्षु ने 1832 में पहला मर्यादा पत्र लिखित में उल्लेखित किया था। उनका मानना था कि शिष्य आदि अनुशासन और न्याय मार्ग पर चलते रहें इसलिए इन विधानो की पालना जरूरी है।

इस धर्म संघ के साधु-साध्वी और शिष्य यूं तो आचार्य भिक्षु जी द्वारा बनाए गए इन नियमों का पालन करते चले आए हैं किंतु वर्ष 1929 में इस धर्म संघ के आचार्य श्री जयाचार्य जी ने हर वर्ष माघ शुक्ल सप्तमी को सामूहिक रूप से सभी साधु साध्वीयों के समक्ष इसे मनाए जाने का निर्णय लिया। इस आयोजन की शुरुआत राजस्थान के बाढ़मेर जिले के बालोतरा ग्राम से की गई।

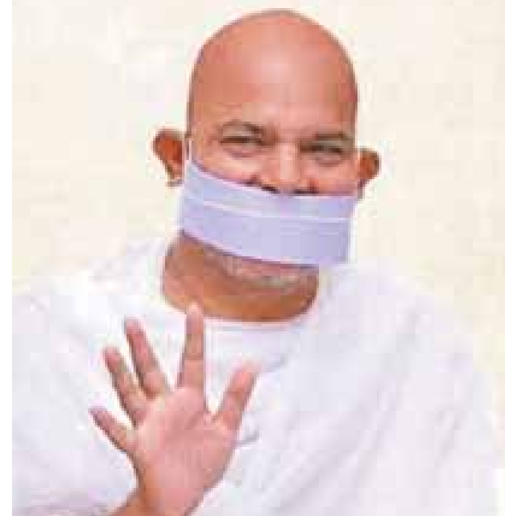

तेरापंथ धर्म संघ के आचार्य श्री महाश्रमण जी

तेरापंथ धर्म संघ के कई वरिष्ठ श्रावकों के अनुसार आचार्यश्री भिक्षु तथा आचार्य श्री जयाचार्य जी द्वारा धर्म संगठन की सुदृढ़ता, मर्यादाओं के पालन पर जोर, आचार शुद्धि, व्यवहार शुद्धि, धर्म संघ के साधु-साध्वी, श्रावक-श्राविकाओं के श्रद्धा आचार-विचार और मर्यादा की व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए मर्यादा संबंधी नियमों का पत्र और नियम बनाए गए थे। इसके व्यापक प्रभाव हेतु मर्यादा महोत्सव मनाए जाने का निर्णय भी आचार्य जयाचार्य जी ने किया था। कहा जाता है कि मर्यादा संबंधी मूल पत्र आचार्य श्री द्वारा प्राकृत भाषा में लिखा गया था जिसकी प्रतिकृति (फोटोकॉपी) आदि भी साधु-साध्वियों के पास उपलब्ध है।

मुख्य रूप से यदि देखा जाए तो इस मर्यादा पत्र के अनुसार धर्मगुरु आचार्य के प्रति संपूर्ण समर्पण व निष्ठा तथा मर्यादा के प्रति आस्था तथा उसका संकल्पपूर्वक पालन तेरापंथ धर्म संगठन की एकता साधु समाज में मर्यादाओं एवं संयम के प्रति प्रतिबद्धता इस मर्यादा पत्र की मूल भावना में है। इस मर्यादा पत्र की मुख्य बातों के वाचन के साथ प्रतिवर्ष माघ शुक्ल सप्तमी को मर्यादा महोत्सव के रूप में इसे मनाया जाता है तथा इन संकल्पों को पालन करने की शपथ को दोहराया जाता है।

मध्य प्रदेश के मालवा में तेरापंथ धर्म संघ की राजधानी माने जाने वाले पेटलावद निवासी तथा मालवा सभा के पदाधिकारी वरिष्ठ श्रावक पवन भंडारी बताते हैं कि हर वर्ष यह मर्यादा महोत्सव जहां पर आचार्य श्री विराजते हैं वहां मुख्य रूप से मनाया जाता है और सैकड़ों की संख्या में साधु-साध्वी आचार्य श्री के समक्ष मर्यादाओं के पालन संबंधी अपना संकल्प दोहराते हैं। इसके अलावा देश के विभिन्न हिस्सों में भी जहां-जहां भी तेरा पंथ धर्म संघ के साधु साध्वी प्रवास पर होते हैं वहां पर भी हर वर्ष माघ शुक्ल सप्तमी को यह मर्यादा महोत्सव मनाया जाता है। इस वर्ष का प्रमुख मर्यादा महोत्सव जोकि 161 वां मर्यादा महोत्सव है वह गुजरात प्रांत के भुज कच्छ में तेरापंथ धर्म संघ के आचार्य श्री महाश्रमण जी के सानिध्य में मनाया गयाा है। पेटलावद में भी आचार्य श्री महाश्रमण जी की विदुषी शिष्या साध्वी श्री प्रबल यशाजी के पावन निश्रा में यह मनाया गया है।

आखिर कब तक खोते रहेंगे नौनिहालों को...?

नर्मदापुरम। अमित दीवान की मौत आज यंग ग्रुप में फैल रही सामाजिक कुरीतियां को लेकर खासी चर्चा का विषय है। अमित दीवान की आत्महत्या ने उन सब को झकझोर दिया जो सामाजिक चेतना के प्रति सजग रहते, अपने आस-पास और अड़ोस-पड़ोस, मोहल्ले पर नजर रखते हैं वन-विभाग से सेवानिवृत्त, कर्मचारी संगठन के संरक्षक मधुकर चतुर्वेदी उनमें एक है, जो अमित दीवान की मौत पर सवाल करके चौंका देते.. भाई आखिर कब तक नौनिहालों को खोते रहेंगे..? श्री चतुर्वेदी कहते हैं हमारे आस-पास ही सामाजिक कुरीतियां डेवलप हो रही, यंग ग्रुप जिसमें 30 पैंतीस साल के युवा ऐश्वर्य देखकर उसे नहीं पाने पर हताश हो जाते, प्रताड़ित होने पर आत्महत्या कर लेते..पुलिस ने अमित के मामले में आठ लोगों पर मामला पंजीबद्ध किया है लेकिन इससे होगा क्या..? समाज में कौन सा परिवर्तन आ जायेगा.. श्री चतुर्वेदी कहते हैं कि पुलिस की जिम्मेदारी होती है कि वह हो रहे अपराध को रोके वह उसे कैसे सुधारें..उनके पालकों को निशाना बनाया जाना चाहिए..? बच्चे के प्रति उनकी क्या जिम्मेदारी उन पालकों से पूछा जाना चाहिए.. आखिर बच्चे कहां जा रहे हैं उन पालकों से पूछा जाना चाहिए, रत्नाकर को जब सप्त ऋषि वाल्मीक बना सकते.. फिर पुलिस सप्त ऋषियों की भूमिका क्यों नहीं निभा सकती.. जो आधुनिकता में बर्बाद हो रहे परिवार और पालकों की जिम्मेदारियों पर अंगुली उठाती है श्री चतुर्वेदी का मानना है कि पुलिस के रवैया पर अपराध और अपराधियों पर काबू पाया जा सकता है बशर्ते पुलिस अपना काम ईमानदारी से करे, जिसे खुद आइने के सामने खुद ईमानदार दिखाई देना होगा।

रसूखदार के गिरते ग्राफ को ताड़ गये लोग..

सोशल मीडिया पर लाईक और टिप्पणी का ग्राफ बढ़ा..

नर्मदापुरम- संजीव डे राय। अनूप रिछारिया, लक्ष्मण राव जाचक, कृष्णा चौहान, अनूप चौबे, प्रणीत चंद्रवंशी, वीरेंद्र यादव, सीमा कैथवास, विनोद केवट, राजीव अग्रवाल, अनिल दुबे, उमाकांत वर्मा जैसे जीवट लोगों ने नगरपालिका की जमीन पर अवैध अतिक्रमण को हटाने अखिलेश खंडेलवाल सहित विधायक प्रतिनिधि महेंद्र यादव, पूर्व पार्षद पंकज पांडे सहित भाजपा नेता हंस राय की मांग वाली खबर का समर्थन करते हुए सोशल मीडिया की वाल पर बेबाक टिप्पणी, मुक्त कंठ से प्रशंसा की है जिसमें अनिल दुबे तो अपनी टिप्पणी में सीधे लिखा आखिर शहर के सभी अतिक्रमण हटाने की बात करने की हिम्मत क्यों नहीं हो पा रही है। श्री दुबे का कहना है सारे अतिक्रमण सरकारी रिकार्ड के अनुसार खाली हो, बिना अनुमति बनाई दूकान, मकान के अतिक्रमण पर भी कार्यवाही हो, तो उसमें एस एन जी स्कूल का अतिक्रमण भी आ जायेगा, शहर में जिन जिन बिल्डर ने सरकारी गुहा, नहर और सिंचाई विभाग की जमीन पर अतिक्रमण कर रखा है, दूसरी ओर विनोद केवट की टिप्पणी नगर पालिका के जिम्मेदार अधिकारी कर्मचारीयों के संरक्षण में अवैध निर्माण हो रहे हैं। एक प्रकरण में अवैध निर्माण को तोड़ने के कोर्ट के आदेश पर सीएमओ को आदेशित किया गया था लेकिन निर्माणाधीन बिल्डिंग तक नहीं पहुंचा नगर पालिका अमला और निर्माण कार्य चालू रखा गया। यह अतिक्रमण पर कार्यवाही नहीं करना कोर्ट के आदेश की अवेहलना तो है ही साथ ही अवैध निर्माण को संरक्षण देना। इस मसले पर अनूप रिछारिया की टिप्पणी बेबाक मिली अपनी टिप्पणी में उन्होंने लिखा कि हर तरफ बेजमीरोनो का बाजार है, तू वहां मत किसी को दिखा आईना या दूसरे शब्दों में जिनके खुद ही घर शीशों के हों वे कृपया दूसरो के घर पर पत्थर मारने का दुःसाहस ना करें.. बहुत कुछ नहीं कहकर भी सब-कुछ कह गया सोशल मीडिया पर अतिक्रमण हटाने की खबर पर जिस तरह लोगों की बेताबी दिखी खबर पर लाइक आई उससे लगता है कि अब समय बदल रहा है। जिस रसूखदार के विरुद्ध उनकी ईमानदारी को लेकर आवाम खामोश रहती थी, अब उसकी ईमानदारी के गिरते ग्राफ को समझने लगी...

विजयरानी वर्मा का 93 साल की आयु में निधन

नर्मदापुरम। अखिल भारतीय कायस्थ महासभा मध्यभारत नर्मदापुरम के जिला अध्यक्ष एवं जिला कलेक्ट्रेट के पूर्व अधीक्षक शैलेन्द्र नाथ श्रीवास्तव की माता विजयरानी वर्मा का बसंत पंचमी सोमवार को निधन हो गया वो 93 साल की थी।उनकी अंतिम यात्रा में बड़ी संख्या में शहर के गणमान्य नागरिक एवं सामाजिक बंधु शामिल हुए अंतिम संस्कार राजघाट पर किया गया।

दो वर्ष के लिए प्रसन्न हर्णे को बनाया गया अध्यक्ष..

नर्मदापुरम। भा.म.सं. से संबद्ध न.पा.कर्म. मजदूर संघ के कार्यकारी अध्यक्ष महेश वर्मा ने बताया है कि संघ विधान के अनुसार आगामी दो वर्षो के कार्यकाल को लेकर स्थानीय नेहरू पार्क में नगरपालिका कर्मचारी मजदूर संघ नर्मदापुरम मध्य प्रदेश कि नवीन कार्यकारिणी का गठन किया गया इस अवसर पर बैठक में भारतीय मजदूर संघ के जिला अध्यक्ष नृपेन्द्र सिंह, कि अध्यक्षता में जिला उपाध्यक्ष दाताराम सगर, जिला कोषाध्यक्ष सुनील चौहान के मुख्य आतिथ्य में नगरपालिका कि कार्यकारिणी में सदस्यगण मनोनीत किए गए जिसमें डा. अतुल सेठा को संरक्षक, प्रसन्न मधुकर राव हर्णे को अध्यक्ष, महेश वर्मा को पुनः कार्यकारी अध्यक्ष मनोनीत किया गया। नव निर्वाचित अध्यक्ष प्रसन्न हर्णे व जिले के पदाधिकारियों सहित नव निर्वाचित कार्यकारिणी सदस्यों का पुष्पमाला से स्वागत करते हुए एक दूसरे को मिठाई खिलाकर बधाई दी गई। उक्त अवसर पर श्री हर्णे ने कहा कि कर्मचारियों की हित संरक्षण कि मांगों को लेकर नगरपालिका से लेकर शासन स्तर तक और राजनैतिक स्तर तक मेरे द्वारा अथक प्रयास किये जायेंगे कर्मचारियों कि मांगों को सही स्तर पर हमे सामने रखना पड़ेगा तभी हमें सफलता प्राप्त होगी। उपस्थित सभी कर्मचारी सदस्यों का ओमप्रकाश रावत ने आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया।

नाबालिग छात्रा से छेड़छाड़ करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

बैतूल। गंज पुलिस ने नाबालिग छात्रा से छेड़छाड़ और धमकी देने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। दरअसल नाबालिग पीड़िता ने थाना गंज में शिकायत दर्ज कराई कि वह अपनी सहेलियों के साथ स्कूल से पैदल घर लौट रही थी। तभी मलकापुर और किल्लोद के बीच रास्ते में आरोपी अनिकेत वर्मा और सौरभ मोहबे मोटरसाइकिल से पहुंचे और उसका रास्ता रोक लिया। आरोपियों ने बुरी नीयत से उसका हाथ पकड़कर छेड़छाड़ की, जबरन मोबाइल नंबर मांगा और किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी दी। पीड़िता की शिकायत पर थाना गंज में मामला पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। घटना की गंभीरता को देखते हुए थाना प्रभारी गंज निरीक्षक अरविंद कमरे के नेतृत्व में एक टीम गठित कर आरोपी की तलाश शुरू की गई और पुलिस ने आरोपी अनिकेत पिता कृष्ण कुमार वर्मा (21) निवासी मलकापुर को चिन्हित कर गिरफ्तार किया। इस कार्यवाही में निरीक्षक अरविंद कुमरे, प्रधान आरक्षक हेतुलाल आरक्षक मंतराम, आरक्षक मनोज एवं आरक्षक नरेंद्र की विशेष भूमिका रही।

मंडी में 3200 रूपये क्विंटल बिक रहा गेहूं, बाजार में 3500 रूपये तक पहुंचा

स्टॉक कम होने से गेहूं के भाव में आया उछाल, उत्पादो के बढ़े दाम

संजय द्विवेदी

बैतूल। मंडी में इन दिनों गेहूं 3 हजार रूपये से अधिक दाम में बिक रहा है। इसका सबसे बड़ा कारण है कि अभी नए गेहूं को आने में करीब करीब दो महीने का समय है। इस दौरान मंडी में गेहूं के दाम ऐसे ही बने रहने की संभावना है। इधर, गेहूं के दाम बढ़ने से बाजार में आटा व इससे बनने वाले अन्य उत्पाद भी 5 रुपये किलो तक महंगे हो गए हैं। कृषि उपज मंडी सहित बाजार में इन दिनों गेहूं के दामों में रिकॉर्ड तेजी देखने को मिल रही है। सीजन नहीं होने के बावजूद कृषि उपज मंडी के लाइसेंसी व्यापारी किसानों के गेहूं को 3200 रूपये क्विंटल तक दाम में खरीद रहे हैं, जो कि शासन द्वारा तय किए गए समर्थन मूल्य से 700-800 रूपये अधिक है। कृषि उपज मंडी क्रेता विक्रेताओं का कहना है कि इन दिनों गेहूं के स्टॉक की कमी है, ऐसे में बाजार सहित मंडी में इसके दाम बढ़े हुए हैं। जब तक बाजार में नए सीजन का गेहूं नहीं आ जाता, तब तक मंडी में व बाजार में इसके दामों में ऐसी ही स्थिरता बनी रहेगी।

ऐसे ही रहे दाम, तो समर्थन मूल्य में खरीदी होगी प्रभावित- अभी कृषि उपज मंडी में गेहूं के दाम 3 हजार से 3200 रूपये प्रति क्विंटल से ऊपर हैं। जबकि शासन ने समर्थन मूल्य पर गेहूं के दाम 2425 रूपये क्विंटल तय किए हैं। सूत्रों के अनुसार नया गेहूं आने के बाद मंडी व बाजार में गेहूं की कीमत कम हो सकती है। यदि मंडी में गेहूं के दाम समर्थन मूल्य से अधिक रहे तो इसका असर शासन स्तर पर होने वाली समर्थन मूल्य की खरीदी पर पड़ सकता है। अभी बाजार में गेहूं 3500 रूपये क्विंटल तक बिक रहा है, जबकि मंडी में 3200 रूपये का भाव है। गेहूं के दाम बढने से सीधा असर लोगों की जेब पर पड़ रहा है।

हालत ऐसी कि, मंडी में 1500 से अधिक क्विंटल की आवक

कृषि उपज मंडी बडोरा में अभी गेहूं की आवक एक हजार क्विंटल से अधिक बनी हुई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार कृषि उपज मंडी में 30 जनवरी को 2128 क्विंटल, 31 जनवरी को 2031 क्विंटल, एक फरवरी को 1440 क्विंटल और 4 फरवरी 2357 बोरो की आवक रही। जबकि इसके पहले मंडी में गेहूं की आवक अधिक हो रही थी। वर्तमान में पुराना सीजन खत्म हो गया है। इसलिए इन दिनों स्टाक की कमी से गेहूं के भाव ऊंचे हैं। व्यापारियों के मुताबिक पूरे जिले की मंडियों और प्रदेश में अभी यह स्थिति बनी हुई है। दामों का असर गेहूं के निर्यात पर भी देखने को मिल रहा है।

आटा, मैदा, दलिया जैसे उत्पाद भी 5 रुपए किलो तक महंगे

गेहूं के दाम बढने का असर उससे बनने वाले उत्पादों पर भी देखने को मिल रहा है। गंज किराना व्यवसायी महेश आहूजा ने बताया कि बाजार में दो सप्ताह पहले जो आटा 3300 -3500 रूपये क्विंटल था, वह बढकर 3700-4000 रूपये तक पहुंच गया है। मैदा 40 रूपये से 45 रूपये प्रति किलो हो गया है। जबकि दलिया 40 रूपये किलो से बढ़कर 45 से 50 रुपए किलो में बिक रहा है। जैसे-जैसे गेहूं के दामों मे तेजी आ रही है, आटे के दाम भी बढ़ रहे है। ग्राहकों ने बताया कि लोकल आटा 3600 रूपये क्विंटल था, वहीं दुकानदार अच्छी क्वालिटी का आटा 4200 से 4800 क्विंटल बेच रहे है।

समर्थन मूल्य पंजीयन के ऐसे हाल... 72 केंद्रों पर गेहूं के 313 और चने के मात्र 5 पंजीयन ही हुए

समर्थन मूल्य पर गेहूं की कम खरीदी के आसार इस साल भी दिखाई दे रहे हैं। पंजीयन शुरू होने के दो सप्ताह होने को हैं और अब तक जिले के 72 केंद्रों पर केवल 313 किसानों ने ही अपनी उपज को बेचने के लिए पंजीयन कराया है। वहीं 5 किसानों ने चना बेचने के लिए पंजीयन किया है। जिले में इस साल करीब 2.96 लाख हेक्टेयर रकबे में गेहूं की फसल की बोवनी की गई है। जबकि इसकी बोवनी करने वाले किसानों की संख्या भी अधिक है। किसानों का कहना है कि शासन ने खरीदी के नियमों को सख्त कर दिया है, यही कारण है कि किसान अपनी उपज को समर्थन मूल्य पर बेचने को तैयार नहीं हो रहे। उपार्जन केंद्रों पर पंजीयन कम होने का कारण भी लगभग यही है। ऐसे में किसान सरकार को उपज बेचने के लिए पंजीयन कराने से दूरी बनाए हुए हैं।

इनका कहना है -

जिले में खरीदी के लिए 72 केन्द्र बनाये है। जिन पर 313 किसानों ने गेहूं और 5 किसानों ने चना बेचने के लिए पंजीयन कराया है। इस साल पंजीयन जल्द शुरू हो गये है। अभी अंतिम तिथि को काफी समय शेष है। उम्मीद है कि जल्द ही बड़ी संख्या में किसान उपज बेचने के लिए पंजीयन केन्द्र पहुंचेगे।

- केके टेकाम, जिला खाद एवं आपूर्ति अधिकारी, बैतूल

पुलिस अधीक्षक कार्यालय बैतूल में आयोजित हुई जनसुनवाई

शिविर में 40 से अधिक शिकायतों का हुआ समाधान

बैतूल। पुलिस मुख्यालय भोपाल एवं पुलिस महानिरीक्षक नर्मदापुरम ज़ोन के निर्देशानुसार बैतूल जिले में नागरिकों की पुलिस संबंधी समस्याओं के समाधान के लिए मंगलवार को पुलिस अधीक्षक कार्यालय बैतूल एवं समस्त थानों में जनसुनवाई कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पुलिस अधीक्षक बैतूल निश्चल एन. झारिया के निर्देशन में पुलिस अधीक्षक कार्यालय में विशेष शिकायत निवारण शिविर का आयोजन हुआ। शिविर में पुलिस अधीक्षक बैतूल निश्चल एन. झारिया, एसडीओपी शाहपुर मयंक तिवारी तथा अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) अजाक शिखा भलावी द्वारा शिकायतकर्ताओं की समस्याएं सुनी गईं और 20 से अधिक शिकायतों का समाधान मौके पर ही किया गया। कोतवाली, बैतूलबाजार, शाहपुर, सारणी, भैंसदेही, आठनेर, चिचोली, आमला, और अन्य थानों में भी जनसुनवाई कार्यक्रम आयोजित किए गए। संबंधित थाना प्रभारियों और अधीनस्थ अधिकारियों ने जनसुनवाई के दौरान शिकायतकर्ताओं की समस्याओं को गंभीरता से सुना और उनका समाधान सुनिश्चित किया। पुलिस अधीक्षक बैतूल निश्चल एन. झारिया ने कहा कि जिले में कानून व्यवस्था को मजबूत बनाए रखना और नागरिकों की समस्याओं का त्वरित समाधान उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने आश्वासन दिया कि ऐसे जनसुनवाई शिविर भविष्य में भी नियमित रूप से आयोजित किए जाएंगे ताकि आमजन को उनकी समस्याओं के समाधान के लिए एक प्रभावी मंच मिल सके।

महाराष्ट्र के व्यापारी के साथ लूट का मास्टरमाइंड गिरफ्तार

भैंस बेचने वाले का लडका ही निकला मास्टरमाइंड, लूटी गई चार भैंस जप्त

बैतूल। महाराष्ट्र के व्यापारी के साथ लूट के मास्टरमाइंड को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों ने व्यापारी से नगदी, मोबाइल और भैंसों को लूट लिया था। कोतवाली पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लूट गए सभी जानवर भी बरामद कर लिये हैं। पुलिस जनसंपर्क अधिकारी से मिली जानकारी के अनुसार 2 फरवरी 2025 को अरबाज शाह पिता इनूस शाह (24) निवासी अंजनगांव, अमरावती, महाराष्ट्र ने थाना कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह अपने दोस्त अर्षित शाह के साथ 1 फरवरी 2025 को बैतूल आया था। वह ग्राम हिवरखेड़ी निवासी अशोक काका से दो भैंस और संतोष यादव से एक भैंस व एक पाड़ा (कुल चार जानवर) खरीदने के बाद पिकअप वाहन से ग्राम कोदा रोटी की ओर जा रहा था। शाम करीब 6.30 बजे जब वे श्मशान घाट पुल के पास पहुंचे, तभी एक सफेद रंग की टवेरा ने उनकी पिकअप को रोक लिया। टवेरा में सवार बदमाशों ने फरियादी और उसके दोस्त को गाड़ी से उतारकर जबरन उनकी जेब में रखे 60,000 नगद और मोबाइल फोन छीन लिए। इसके बाद बदमाशों ने पिकअप वाहन समेत तीन भैंस और एक पाड़ा लूटकर फरार हो गए। घटना की सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस ने धारा 309(4), 3(5) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

पुलिस ने घटनास्थल के आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले और त्वरित कार्रवाई करते हुए टवेरा वाहन के चालक रामकिशोर यादव उर्फ श्रीराम यादव (24) निवासी ग्राम डोक्या पाढर को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया था, वहीं अन्य आरोपियों की तलाश जारी थी। पुलिस ने फरार आरोपी हरिओम पिता संतोष यादव (21) निवासी डोक्या पाढर खुर्द को हिरासत में लिया और सख्ती से पूछताछ की। आरोपी हरिओम ने अपना अपराध स्वीकार करते हुए बताया कि महाराष्ट्र के व्यापारी उसके पिता संतोष यादव से जानवर खरीदने आए थे, तभी उसने अपने साथियों के साथ मिलकर लूट की योजना बनाई। वारदात को अंजाम देने के बाद लूटे गए तीन भैंस और एक पाड़े को उसने अपने पास छिपाकर रखा था। पुलिस ने आरोपी हरिओम के कब्जे से तीन भैंस व एक पाड़ा (कुल कीमत 1,06,000) विधिवत रूप से जप्त किए। प्रकरण में थाना प्रभारी रविकांत डेहरिया, उपनिरीक्षक राकेश सरयाम, प्रधान आरक्षक दीपक कटियार, आरक्षक ओमकार, रोहित नवरेती, चंद्रपाल सरयाम, सोनू की सराहनी भूमिका रही। कोतवाली पुलिस फरार अन्य आरोपियों की तलाश कर रही है।

मोबाइल का कम से कम उपयोग करें: नेहा गर्ग

कैंसर डे पर संजीवनी स्कूल में हुआ जागरूकता कार्यक्रम

बैतूल। वर्तमान में हमारी लाइफ स्टाइल पूरी तरह से बदल गई है। तकनीकी संसाधनों के हम अत्यधिक आदी हो गए है। यही संसाधन कैंसर जैसी घातक बीमारियों को भी आमंत्रित कर रहे हैं। उक्त उद्बोधन कैंसर डे पर संजीवनी स्कूल में आयोजित जागरूकता कार्यक्रम को संबोधित करते हुए नपा की पहली महिला ब्रांड एम्बेसेडर श्रीमती नेहा गर्ग ने कही।

श्रीमती गर्ग ने उपस्थित स्कूल स्टाफ, विद्यार्थियों सहित गणमान्य नागरिकों को समझाईश देते हुए कहा कि ऐसी मान्यता है कि रात में सिर के पास मोबाइल लेकर सोने से मोबाइल का रेडिएशन से धीरे-धीरे कैंसर के रूप में बढ़ता है। उन्होंने घर के आसपास स्वच्छता रखने। प्लास्टिक की सामग्री में गर्म खाद्य सामग्री ना रखने। प्लास्टिक की बोतल और पन्नी इधर-उधर ना फेंकने की बात कही। इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि हमारे द्वारा यहां-वहां फेंका गया प्लास्टिक कचरा खाकर जानवर भी बीमार होते हैं इसलिए अपने घर सहित आसपास के वातावरण को स्वच्छ एवं स्वस्थ्य रखे, क्योंकि वातावरण का अवसर हमारे स्वास्थ्य पर भी पड़ता है। इस अवसर पर विद्यार्थियों और शिक्षकों को शपथ भी दिलाई गई। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती जी के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्जवलित कर किया गया। इस अवसर पर प्राचार्य गजेंद्र पंवार, प्रधान अध्यापिका श्रीमती संध्या पंवार एवं स्टाफ तथा विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

जन सुनवाई में प्राप्त आवेदनों का निराकरण करें अधिकारी: प्रभारी कलेक्टर

मुलताई एसडीएम को तत्काल आदेश का पालन कर कब्जा दिलाए जाने के दिए निर्देश

बैतूल। प्रभारी कलेक्टर एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अक्षत जैन ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट में आयोजित जनसुनवाई के दौरान नागरिकों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान प्रभारी कलेक्टर श्री जैन ने अधिकारियों को जनसुनवाई में प्राप्त आवेदनों का गंभीरता पूर्वक निराकरण किए जाने के निर्देश दिए। जनसुनवाई में कुल 98 आवेदन प्राप्त हुए। जनसुनवाई में प्रभात पट्टन तहसील के ग्राम मसोद निवासी गुंता चौरे ने आवेदन के माध्यम से बताया कि उन्होंने 2 वर्ष पूर्व जमीन खरीदी थी, जिसकी रजिस्ट्री और बही बन चुकी है। उक्त भूमि पर संजय सिंह राजपूत ने अवैध कब्जा करके रखा हुआ हैं। इसकी शिकायत तहसीलदार से की गई और उनके पक्ष में आदेश होने के बावजूद अभी तक कब्जा नहीं दिलाया गया है। प्राप्त आवेदन पर प्रभारी कलेक्टर श्री जैन ने मुलताई एसडीएम को पारित आदेश का तत्काल पालन कर कब्जा दिलाए जाने के निर्देश दिए।

जनसुनवाई में मुलताई तहसील के ग्राम चौथिया निवासी श्रीमती भागीरथी बाई विश्वकर्मा ने आवासीय पट्टा दिए जाने की मांग को लेकर आवेदन दिया। जिस पर प्रभारी कलेक्टर एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री जैन ने एसडीएम मुलताई को प्रकरण की जांच कर आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। बैतूल निवासी संगीता गोचरे ने प्रधानमंत्री आवास तथा मुख्यमंत्री लाडली बहन योजना का लाभ दिए जाने की मांग की। प्राप्त आवेदन पर प्रभारी कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को प्रकरण की जांच के निर्देश दिए। ग्राम पंचायत चुनागोसाई के ग्राम गवाझड़प निवासी भागवत यादव ने अमृत सरोवर तालाब निर्माण में ट्रैक्टर ट्राली से किए गए कार्य का भुगतान नहीं होने की शिकायत की। जिस पर प्रभारी कलेक्टर ने संबंधित अधिकारी को प्रकरण का निराकरण किए जाने के निर्देश दिए। आमला तहसील के ग्राम लड़ी निवासी सुखलाल ने वन विभाग द्वारा जारी आवासीय पट्टे में नाम दर्ज किए जाने की मांग की।

सर्वाइकल वैक्सीन के लिए चिन्हित बालिकाओं का हुआ टीकाकरण

रेडक्रॉस की मूल भावना है मानवता की सेवा करना - रामेन्द्र सिंह

बैतूल। विश्व कैंसर दिवस के अवसर पर रेडक्रॉस सोसायटी के तत्वावधान में जिला चिकित्सालय में सर्वाइकल वैक्सीन के लिए चिन्हित बालिकाओं का द्वितीय चरण टीकाकरण किया गया। इसमें लोगों के जन जागरूकता के लिए एक वर्कशॉप का आयोजन भी किया गया। इस वर्कशॉप में स्त्री रोग विशेषज्ञ व सर्वाइकल कैंसर की नोडल ऑफिसर डॉ.इशा डेनियल ने सर्वाइकल कैंसर से जुड़ी भ्रांतियां तथा समय पर उपचार न करने से होने वाले नुकसान तथा रोकथाम के लिए 9 से 14 वर्ष की बालिकाओं के वैक्सीनेशन कराए जाने की बात पर जोर दिया। कार्यक्रम को मुख्य अतिथि भोपाल से आए मप्र रेडक्रॉस सोसाइटी के जनरल सेक्रेटरी रामेंद्र सिंह ने भी संबोधित करते हुए कहा कि रेड क्रॉस मानवता के लिए कार्य करने वाला स्वयंसेवी संगठन है। माता और कुपोषित बच्चों पर काम करना है इसका प्राथमिक लक्ष्य है। उसी के तहत रेडक्रॉस विभिन्न जानलेवा बीमारियों एवं कैंसर जैसी खतरनाक बीमारियों के बारे में जनजागृति करने का पूरे प्रदेश में प्रयास कर रहा है। बैतूल विधायक हेमंत खंडेलवाल ने कहा कि शासन प्रशासन स्तर पर ऐसी नीतियां बनाना चाहिए की बालिकाओं को 9 साल से 14 साल की उम्र तक वैक्सीन लगाया जा सके। जिससे कि आगे चलकर होने वाले सर्वाइकल कैंसर,जैसे गंभीर रोगों से निजात एवं राहत मिल सके। इस कार्यक्रम में 193 चिन्हित बालिकाओं में से 127 बालिकाओं को वैक्सीनेशन का द्वितीय चरण का टीकाकरण कार्यक्रम किया गया, जिससे वे आगे जाकर इस गंभीर बीमारी से भी निजात पा सके एवं उनमे इसके प्रति प्रतिरोधक क्षमता उत्पन्न हो सके। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती पार्वतीबाई बास्कर, समाजसेवी मुकेश खंडेलवाल, सीएमएचओ डॉ.रविकांत उइके, सिविल सर्जन डॉ.जगदीश घोरे, पूर्व सिविल सर्जन डॉ अशोक बारंगे, डॉ रेणुका गोहिया, रेडक्रॉस सोसाइटी के प्रदेश प्रतिनिधि संजय शुक्ला, सचिव डॉ.एचएल कसेरा, अध्यक्ष डॉ.अरुण जयसिंहपुरे, श्रीमती नेहा गर्ग, नीलम वागद्रे, मोहित गर्ग, वंदना कुंभारे, माधुरी साबले, कोषाध्यक्ष डॉ इमरान अली, डॉ.अरुण उच्चसरे, डॉ.विनय चौहान, डॉ.आनंद नरवरे, सोनू सलूजा, जयदेव गयाकि, श्रीकांत अग्रवाल, धीरज हिरानी, योगी खंडेलवाल, चन्द्र प्रभा चौकीकर,श्री भाटिया,कार्यक्रम में आरएमओ डॉ.रानू वर्मा सहित स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी कर्मचारी आदि गणमान्य नागरिक मौजूद थे।

महाकुंभ हादसा; दिग्गी ने संसद में चर्चा कराने दिया नोटिस

पूर्व सीएम बोले– जानकारी मिली कि छह जगहों पर हुई भगदड़, मौतों के सही आंकड़े बताएं

भोपाल (नप्र)। मौनी अमावस्या के मौके पर प्रयागराज महाकुंभ में भगदड़ के कारण हुई मौतों को लेकर कांग्रेस सांसद और एमपी के पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह ने राज्यसभा में चर्चा की मांग की है। दिग्विजय सिंह ने राज्यसभा में नियम 267 के तहत स्थगन का नोटिस देकर चर्चा की मांग की हैं। दिग्विजय सिंह ने अपने ट्वीट में लिखा-कल मैंने व लगभग सभी राज्यसभा विपक्षी पार्टी के संसद सदस्यों ने कुंभ में दुःखद घटना पर सभी विषयों को स्थगित कर सदन में चर्चा कराने की मांग की थी। लेकिन सभापति जी ने हमारी मांग खारिज कर दी। यहां तक सदन द्वारा इस दुखद घटना में जो श्रद्धालुओं की मृत्यु हुई है उनकी स्मृति में राज्य सभा में शोक प्रस्ताव की भी इजाजत नहीं दी। क्या यह न्याय पूर्ण है?

सभापति को दिया स्थगन पर चर्चा का नोटिस-दिग्विजय सिंह ने राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ को नियम 267 के तहत स्थगन पर चर्चा कराने नोटिस दिया है। दिग्गी ने अपने नोटिस में लिखा- राज्यसभा में प्रक्रिया और कार्य संचालन के नियमों के नियम 267 के तहत, मैं सदन के निर्धारित कार्यों को स्थगित कर प्रयागराज महाकुंभ 2025 में 29 जनवरी 2025 को हुई दुखद भगदड़ पर चर्चा कराने हेतु यह नोटिस प्रस्तुत कर रहा हूं।

श्री सिंगाजी ताप विद्युत गृह की इकाई नंबर तीन ने बनाया नया रिकार्ड

एक दिन में किया 158.3 लाख यूनिट विद्युत का उत्पादन

भोपाल(नप्र)। मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी के श्री सिंगाजी ताप विद्युत गृह दोंगलिया (खंडवा) की 660 मेगावाट की इकाई नंबर 3 ने अपनी स्थापना के बाद सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए दैनिक विद्युत उत्पादन का नया रिकार्ड बनाया है। इकाई नंबर 3 ने गत दिवस 158.3 लाख यूनिट विद्युत उत्पादन किया। इस दौरान यूनिट का प्लांट लोड फेक्टर (पीएलएफ) 99.94 फीसदी रहा। इससे पूर्व इस इकाई द्वारा 24 नवम्बर 2018 को 158.14 लाख यूनिट दैनिक विद्युत उत्पादन किया गया था।

यूनिट नंबर 3 ने कमीशनिंग के 6वें दिन ही दैनिक उत्पादन का रिकार्ड बनाया था। श्री सिंगाजी ताप विद्युत गृह की

वर्तमान विद्युत उत्पादन क्षमता 2520 मेगावाट है। यहां पहली एवं दूसरी इकाई 600-600 मेगावाट और तीसरी व चौथी इकाई 660-660 मेगावाट की हैं। दैनिक विद्युत उत्पादन का नया रिकार्ड बनाने वाली इकाई नंबर 3 की कमीशनिंग 18 नवम्बर 2018 को हुई थी। इस यूनिट ने अपनी कमीशनिंग के 6वें दिन 24 नवम्बर 2018 को 15.814 लाख यूनिट दैनिक बिजली उत्पादन किया था।

भिक्षावृत्ति पर रोक, सिग्नल-चौराहों पर जांच करेगी टीमें

भोपाल में आदेश के बाद कम दिखें भिक्षुक, लोग भी पैसे की जगह बांट रहे खाना

भोपाल (नप्र)। भोपाल में भिक्षावृत्ति पर रोक लग गई है। कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने सोमवार रात में आदेश जारी कर दिए। इसके बाद भीख देना और लेना दोनों ही जुर्म के दायरे में आ गए हैं। मंगलवार को कलेक्टर ने 4 सदस्यीय कमेटी भी बना दी है, जो भिक्षुकों को रैन बसेरा तक ले जाएगी। इधर, राजधानी के चौराहों के सिग्नल और मुख्य मार्गों पर मंगलवार को भिक्षुओं की संख्या काफी कम दिखी। इस दौरान लोग भी कलेक्टर के आदेश के चलते जागरूक नजर आए। लोग पैसे देने की जगह खाने- पीने की चीजें देते दिखें।

कलेक्टर ने बनाई यह टीमः भिक्षुओं के लिए कोलार स्थित रैन बसेरा में अस्थायी भिक्षु गृह बनाया गया है। यहां पर उन्हें शिफ्ट करने की जिम्मेदारी एक टीम को दी गई है। इस टीम में संयुक्त संचालक सामाजिक न्याय

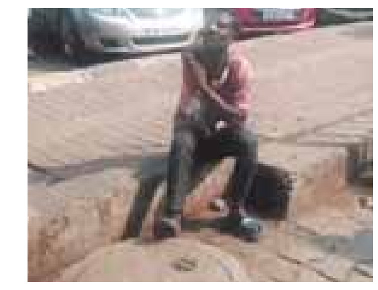

विभाग आरके सिंह, नगर निगम के अपर आयुक्त रणवीर कुमार, जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग सुनील सोलंकी और आदिम जाति कल्याण विभाग के सहायक आयुक्त सुधीर कुमार श्रीवास्तव शामिल हैं।

भिक्षुक बोला- कलेक्टर के आदेश की जानकारी नहींः इस दौरान न्यू मार्केट में एक भिक्षु से बातचीत में पता चला कि वह उत्तर प्रदेश के ललितपुर जिला का रहने वाला है। उसका परिवार ललितपुर के पास एक गांव में बांस छीलकर सामान बनाने का काम करता है। वह 10-15 दिन पहले ट्रेन से भोपाल आया था। इसके बाद से ही वह न्यू मार्केट के आस- पास भीख मांग रहा है। इस दौरान उसने यह भी बताया कि उसे कलेक्टर के आदेश की कोई जानकारी नहीं है। वह आज दिन में 1 बजे न्यू मार्केट की तरफ आया था। तब से उसे 1-2 लोगों ने ही पैसे दिए है। उसने यह भी बताया कि अभी तक उसने इलाके के आस-पास पुलिस नहीं देखी है।

सुल्तानिया रोड चौराहे पर बड़ी संख्या में भिक्षु दिखेः इस दौरान सुल्तानिया रोड चौराहे पर कालिका मंदिर के बाहर बड़ी संख्या में भिक्षुक दिखे। हालांकि यह भिक्षु पहले की तरह सिग्नल पर भीख मांगते नजर नहीं आए।

एम्स भोपाल में 2 दिवसीय पेलियेटिव केयर प्रशिक्षण कार्यक्रम में हुए शामिल

मानवीय दृष्टिकोण, भावनात्मक सहयोग उपचार को करता है आसान : उप मुख्यमंत्री शुक्ल

भोपाल (नप्र)। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि कैंसर की सही समय में जाँच पर पूर्ण निदान सहजता से संभव है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के गौरवशाली नेतृत्व में आज आर्थिक संसाधनों की कमी नहीं है। चिकित्सकीय संस्थानों का उन्नयन किया जा रहा है। अधोसंरचना विकास के साथ अत्याधुनिक उपकरणों की उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है। उन्होंने कहा कि चिकित्सा क्षेत्र में संसाधनों के साथ चिकित्सकीय मैनपॉवर का मानवीय रवैया, भावनात्मक सहयोग उपचार को आसान करता है। मरीजों और परिजनों में संतोष का भाव जागृत करता है। चिकित्सा क्षेत्र से जुड़े सभी अधिकारियों कार्मिकों में मानवीय संवेदनाओं की समझ और उसका प्रकटीकरण अत्यंत आवश्यक है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने विश्व कैंसर दिवस पर एम्स भोपाल में आयोजित 2 दिवसीय पेलियेटिव केयर

प्रशिक्षण कार्यक्रम को संबोधित किया।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि कैंसर का निदान सहज और सुलभ बनाने के लिये केंद्रीय बजट में हर ज़िले में कैंसर केयर सेंटर बनाने का ऐतिहासिक प्रावधान किया गया है। साथ ही कैंसर दवाओं को किफायती दरों में उपलब्ध कराने के प्रावधान किये गये हैं। आयुष्मान भारत योजना से हर नागरिक आज उच्च स्तरीय चिकित्सा सेवाएं सहजता से प्राप्त कर पा रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के विजन में स्वस्थ भारत महत्वपूर्ण आयाम है। इसके लिये केन्द्र और राज्य सरकार पूर्ण समर्पण से प्रयास कर रही हैं। इसे साकार करने हेल्थ मैन-पॉवर की महत्वपूर्ण भूमिका है।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि चिकित्सक का दायित्व केवल उपचार करने तक सीमित नहीं है। उपचार के साथ और उपचार के बाद मरीज़ को जो मानसिक और भावनात्मक सहयोग चिकित्सक या अस्पताल स्टॉफ से मिल सकता है, वो उसकी रिकवरी को और तेज़ करने में सहायक होता है। उन्होंने उपस्थित चिकित्सकों और नर्सिंग ऑफिसर से प्रशिक्षण का पूर्ण लाभ उठाने का आह्वान किया। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि प्रदेश के प्रत्येक क्षेत्र में उन्नत स्वास्थ्य सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के प्रयास किये जा रहे हैं।

भोपाल के शायर ने लिखी भगवान राम पर गजल, मुरीद हुए पीएम मोदी, कहा अभिव्यक्त करने के लिए धन्यवाद

भोपाल (नप्र)। राजधानी भोपाल के एक शायर अंजुम बाराबंकवी ने भगवान राम पर केंद्रित गजलों की एक किताब लिख रहे हैं। इसमें 51 गजलें शामिल होंगी। अंजुम ने इस श्रृंखला की एक गजल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भेजी तो वे भी उनके मुरीद हो गए। अब प्रधानमंत्री ने शायर को एक पत्र भेजा है।

शायर ने कहा मेरे जीवन पर श्रीराम का बड़ा प्रभावः शायर अंजुम बाराबंकवी ने बताया कि मेरे जीवन पर श्रीराम का बड़ा प्रभाव है।

इसलिए राम पर गजल लिखी है ओर आगे भी लिखेंगे। श्रीराम का व्यक्तित्व मुझे बचपन से ही प्रभावित करता रहा है। राम भले ही पुत्र के रूप में हो, भाई के रूप में हो या पति के रूप में हो या फिर वह राजा के रूप में राम हों। उन्होंने जो मानक स्थापित किए हैं, वह कोई और नहीं कर सकता हैं। उन्होंने बताया कि उन्होंने नौ जनवरी को प्रधानमंत्री को स्पीड पोस्ट से एक गजल भेजी थी। उसका मुखड़ा था- डर लगता है मगर पास हैं दशरथ नंदन,मेरी हर सांस का विश्वास है दशरथ नंदन...।

मोदी ने की सराहनाः प्रधानमंत्री मोदी ने अपने पत्र में लिखा कि अयोध्या धाम में प्रभु श्रीराम लला की प्राण प्रतिष्ठा की एक वर्ष पूर्ण होने पर अपनी प्रसन्नता को राम गजल में लिखकर अभिव्यक्त करने के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद।

रानी कमलापति-गाजीपुर सिटी-रानी कमलापति कुंभ मेला विशेष ट्रेन

*भोपाल मंडल के ओबेदुल्ला गंज, नर्मदापुरम एवं इटारसी स्टेशनों से होकर गुजरेगी

भोपाल। रेल प्रशासन द्वारा श्रद्धालुओं एवं यात्रियों को सुगम, सुरक्षित एवं आरामदायक यात्रा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कुंभ मेला विशेष ट्रेनें संचालित की जा रही हैं। इसी कड़ी में, गाड़ी संख्या 01663/01664 रानी कमलापति–गाजीपुर सिटी–रानी कमलापति कुंभ मेला विशेष ट्रेन (02–02 ट्रिप) चलाई जा रही है, जो भोपाल मंडल के ओबेदुल्ला गंज, नर्मदापुरम एवं इटारसी स्टेशनों पर ठहरकर गंतव्य तक जाएगी।

***गाड़ी संख्या 01663 रानी कमलापति–गाजीपुर सिटी कुंभ मेला विशेष ट्रेन (02 ट्रिप)**

गाड़ी संख्या 01663 रानी कमलापति–गाजीपुर सिटी कुंभ मेला विशेष ट्रेन दिनांक 05 एवं 08 फरवरी 2025 को रानी कमलापति स्टेशन से दोपहर 15.40 बजे प्रस्थान कर, ओबेदुल्ला गंज स्टेशन पर 16.02 बजे, नर्मदापुरम स्टेशन पर 16.36 बजे, इटारसी स्टेशन पर 17.05 बजे एवं मार्ग के अन्य स्टेशनों से होते हुए अगले दिन सुबह 11.50 बजे गाजीपुर सिटी स्टेशन पहुंचेगी।

***गाड़ी संख्या 01664 गाजीपुर सिटी–रानी कमलापति कुंभ मेला विशेष ट्रेन (02 ट्रिप)**

गाड़ी संख्या 01664 गाजीपुर सिटी–रानी कमलापति कुंभ मेला विशेष ट्रेन दिनांक 06 एवं 09 फरवरी 2025 को गाजीपुर सिटी स्टेशन से दोपहर 13.00 बजे प्रस्थान कर, अगले दिन सुबह 09.30 बजे इटारसी स्टेशन, 10.03 बजे नर्मदापुरम स्टेशन, 10.48 बजे ओबेदुल्ला गंज स्टेशन एवं मार्ग के अन्य स्टेशनों से होते हुए अगले दिन सुबह 11.40 बजे रानी कमलापति स्टेशन पहुंचेगी।

गाड़ी के हाल्ट

रास्ते में यह गाड़ी दोनों दिशाओं में ओबेदुल्ला गंज, नर्मदापुरम, इटारसी, पिपरिया, बनखेड़ी, नरसिंहपुर, जबलपुर, कटनी, मैहर, सतना, मानिकपुर, *प्रयागराज छिवकी*, मिर्जापुर, *वाराणसी*, जौनपुर जंक्शन स्टेशनों पर रुकेगी।

कोच संरचना

इस विशेष ट्रेन में 14 शयनयान श्रेणी एवं 08 सामान्य श्रेणी के डिब्बे सहित कुल 24 डिब्बे होंगे।

एम्स भोपाल में गंभीर ओडोन्टोजेनिक ट्यूमर का सफल ऑपरेशन, मरीज को मिली नई जिंदगी

भोपाल। एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रो. (डॉ.) अजय सिंह के मार्गदर्शन में, संस्थान निरंतर चिकित्सा देखभाल में महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल कर रहा है। हाल ही में, एम्स भोपाल में एक 16 वर्षीय लड़की के ऊपरी जड़बे में विकसित हो चुके गंभीर ओडोन्टोजेनिक ट्यूमर का सफल ऑपरेशन किया गया है। इस ट्यूमर में पिछले 6 महीनों में लगातार वृद्धि हुई, जिससे लड़की को सांस लेने, देखने और चबाने में गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ रहा था। ट्यूमर दांत से शुरू होकर तालु, साइनस, आंख, और नाक तक फैल गया था। लड़की खरगोन जिले के पास की एक जगह से थी, और इसके इलाज के लिए कई स्थानों पर परामर्श लिया गया था। जब यह स्थिति गंभीर हो गई, तो उसे एम्स भोपाल रेफर किया गया।एम्स भोपाल के दंत चिकित्सा विभाग ने मरीज का 3डी सीटी स्कैन किया और जांच के आधार पर तुरंत सर्जरी की सलाह दी। ऑपरेशन की प्रक्रिया में डॉ. अंशुल राय के नेतृत्व में एक टीम ने काम किया, जिसमें डॉ. बाबूलाल, डॉ. जीतेन्द्र, डॉ. ज़ेनिश, प्रधान दीप और एनेस्थीसिया टीम के डॉ. संदीप शामिल थे। ऑपरेशन के दौरान, फाइन लूप्स का उपयोग करके इंफ्रो ऑर्बिटल नर्वस को बचाया गया और नाक एवं आंख की हड्डी को सुरक्षित रूप से निकाला गया। ऑपरेशन के बाद, मरीज को सांस लेने और आंखों से देखने में काफी राहत मिली है।

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज ने विपक्ष पर जमकर बोला हमला, गिनाई उपलब्धियां

विपक्ष ने कभी किसानों के हित में कदम नहीं उठाए- शिवराज सिंह

किसानों की आय बढ़ाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी विजनरी लीडर

नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मंगलवार को सदन में प्रश्नकाल के दौरान कृषि संबंधी सवालों के जवाब देते हुए विपक्ष पर जमकर हमला बोला। शिवराज सिंह ने कहा कि किसानों की आय बढ़ाना प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी और केंद्र सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। केंद्र सरकार कृषि एवं किसान कल्याण के लिए संकल्पित है और लगातार इस क्षेत्र में काम कर रही है, वहीं केंद्रीय कृषि मंत्री ने सदन में नारियल, फसल बीमा योजना, प्राकृतिक खेती और ई–नाम योजना सहित कई योजनाओं व गतिविधियों के संबंध में विस्तार से अपनी बात रखी। साथ ही, शिवराज सिंह चौहान ने संसद में कृषि एवं किसान कल्याण को लेकर केंद्र सरकार की उपलब्धियां गिनाईं। लोक सभा में एक घंटे के प्रश्नकाल के दौरान लगभग 40 मिनट तक शिवराज सिंह ने कृषि एवं किसान कल्याण की बातें रखी।

नारियल उत्पादन में भारत नंबर वन–केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि आज नारियन उत्पादन में हमारा देश नंबर एक पर पहुंचा है, जिसके पीछे प्रधानमंत्री श्री मोदी की उत्पादन बढ़ाने की नीति है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि वर्ष 2014–15 के दौरान नारियल उत्पादन 140 लाख मीट्रिक टन था, जो अब बढ़कर 153.29 लाख मीट्रिक टन हो गया है। विश्व में हमारी उत्पादकता सबसे अधिक है। आंध्रप्रदेश में भी उत्पादकता 11 मीट्रिक टन है। मैं, आंध्रप्रदेश के किसानों को प्रणाम करता हूं, बधाई देता हूं कि उन्होंने उत्पादकता के नए रिकार्ड स्थापित किए हैं।

आंध्रप्रदेश में नारियल उत्पादन बढ़ाने की अपार संभावनाएं हैं, इसलिए आंध्रप्रदेश में उत्पादन बढ़ाने और क्षेत्र विस्तार के लिए अनेकों प्रयास प्रारंभ किए गए हैं। पिछले 10 वर्षों में आंध्रप्रदेश में कुल नारियल क्षेत्र का विस्तार 12,391 हेक्टेयर किया गया है, जिससे 12,406 किसान लाभान्वित हुए हैं। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् ने भी लगातार प्रयत्न किए हैं कि जो अलग–अलग प्रकार की बीमारी नारियल के पामट्री के पर आती है, उस पर शोध किया जाएं और शोध करने के बाद उनसे निपटने के लिए अनेक उपाय किए गए हैं। कर्नाटक व केरल में कीटों और बीमारियों की समस्या के लिए किसानों को 50.56 करोड़ रुपए की सहायता प्रदान की गई है। श्री शिवराज सिंह ने कहा कि केरल हो, कर्नाटक या तमिलनाडु, जब ऐसी बीमारियां आती हैं तो हम लगातार प्रयत्न करते हैं कि बीमारियों का नियंत्रण भी किया जाएं और किसानों को सहायता भी दी जाएं।

फसल बीमा योजना, किसानों के लिए वरदान–केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना देश के किसानों के लिए वरदान बनकर आई है, आज यह बीमा आवेदनों के मामले में दुनिया की सबसे बड़ी फसल बीमा योजना है। कृषि राज्य का विषय है और ये योजना स्वैच्छिक है। इसलिए योजना को चुनना राज्य की इच्छा पर निर्भर करता है।

एम्स भोपाल की पहल

विश्व कैंसर दिवस पर प्रिसीजन ऑकोलॉजी और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा

भोपाल। एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रो. (डॉ.) अजय सिंह के मार्गदर्शन में एम्स भोपाल के सेंटर ऑफ प्रिसीजन मेडिसिन द्वारा विश्व कैंसर दिवस के अवसर पर एक सतत चिकित्सा शिक्षा (सीएमई) कार्यक्रम और कार्यशाला का आयोजन किया गया। कैंसर देखभाल में प्रिसीजन मेडिसिन के माध्यम से प्रगति विषय पर आधारित इस कार्यक्रम में वैश्विक ऑन्कोलॉजी विशेषज्ञों ने कैंसर के इलाज में प्रिसीजन ऑन्कोलॉजी को आगे बढ़ाने पर गहन चर्चा की गई। कार्यक्रम ने एम्स भोपाल की कैंसर देखभाल में नवोन्मेषी शोध और अंतर्राष्टीय सहयोग की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया। दिनभर चले इस आयोजन में प्रसिद्ध अंतर्राष्टीय ऑन्कोलॉजिस्ट शामिल हुए, जिनमें न्यूयॉर्क यूनिवर्सिटी के डॉ. श्रीधर गणेशन ने क्लिनिक में कैंसर की क्लोनल डायनेमिक्स की निगरानी पर और यूनिवर्सिटी ऑफ केंटकी के डॉ. विवेक एम. रंगनेकर ने कैंसर थेरेपी प्रतिरोध को दूर करने पर महत्वपूर्ण व्याख्यान दिए।

कार्यक्रम का एक महत्वपूर्ण क्षण एम्स भोपाल और ग्लोबल कैंसर कंसोर्टियम (जीसीसी) के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर था, जिसमें जीसीसी दक्षिण एशिया चैप्टर की सचिव डॉ. ज्योति कोडे और सदस्य डॉ. महादेव राव की विशेष उपस्थिति रही। यह समझौता कैंसर अनुसंधान और उपचार में अंतर्राष्टीय सहयोग के एक नए युग की शुरुआत का प्रतीक है।

कार्यपालक निदेशक प्रो. सिंह ने कार्यक्रम की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा, यह पहल हमारे संस्थान के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। हमने 3ष्ठ ऑर्गेनॉयड्स और उन्नत रेडिएशन थेरेपी जैसी अत्याधुनिक तकनीकों को कैंसर देखभाल में शामिल कर भारत में कैंसर उपचार के दृष्टिकोण को बदलने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया है।

जापान यात्रा में उम्मीदों से बढ़कर मिली सफलताएँ मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रदेश में औद्योगिक निवेश के संदर्भ में जापान यात्रा में कई मायनों में उम्मीदों से बढ़कर सफलताएँ मिली हैं। जापान यात्रा के दौरान अनेक सेक्टर में निवेश के लिए उद्योगपतियों ने अपनी रुचि दिखाई है। ऑटोमोबाइल एवं उससे जुड़ी कंपनियों एवं विशेष रूप से कपास उत्पादन के क्षेत्र में निवेशक रेडीमेड गारमेंट को लेकर आगे आए हैं। रेडीमेड गारमेंट उद्योग क्षेत्र में जापान के सबसे अमीर उद्योगपति ने मध्यप्रदेश में निवेश पर रुचि दिखाई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारे पास विभिन्न सेक्टर में दोनों ही प्रकार के कुशल एवं अकुशल मानव संसाधन उपलब्ध हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंगलवार को कैबिनेट बैठक के पहले मंत्रि–परिषद के सदस्यों को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने केंद्रीय बजट की तारीफ करते हुए कहा कि इसमें निहित प्रावधानों का हमें अधिक से अधिक लाभ उठाना चाहिए। कई सेक्टर में हम इस पर काम भी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि केंद्रीय बजट मुख्य रूप से चार बिंदुओं पर केंद्रित है। युवा, गरीब, किसान और महिला इन चार बिंदुओं पर हम पहले से ही काम कर रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बजट में रेलवे सेक्टर मध्यप्रदेश को कई सौगातें मिली हैं। औद्योगिक विस्तारीकरण के लिये हमें एक नई लाइन की खोज पर ध्यान देना होगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में 11 जनवरी 2024 से 26 जनवरी 2025 तक संचालित जनकल्याण अभियान में प्राप्त आवेदनों एवं उनके निराकरण के जो परिणाम प्राप्त हुए हैं, वह उत्साह जनक हैं। अभियान में प्रदेश की समस्त ग्राम पंचायतों एवं वार्ड में कुल 30 हजार 716 शिविरों में 42.96 लाख आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 41.71 लाख आवेदन स्वीकृत किये जा चुके हैं। आयुष्मान भारत योजना के सर्वाधिक 9.91 लाख आवेदन प्राप्त हुए हैं, इनमें से 9.81 लाख स्वीकृत किये गये। सर्वाधिक आवेदनों में 8.64 लाख आवेदन चालू खसरा/खतौनी, 3.24 लाख चालू नक्शा की प्रतिलिपियों, 2.7 लाख नो ड्यूज प्रमाण–पत्र, 2.2 लाख निर्माण श्रमिक पंजीयन और 1.27 लाख आवेदन नक्शा शुद्धिकरण के लिये स्वीकृत हुये हैं। भोपाल में सर्वाधिक आवेदन2.40 लाख, छिंदवाड़ा 2.18 लाख, उज्जैन 2.13, इन्दौर 1.20 और मुरैना 1.19 लाख प्राप्त हुए। हमें इस दिशा में और काम करना होगा।

17 फरवरी तक जेल में रहेंगे सौरभ, चेतन और शरद

लोकायुक्त अदालत ने मंजूर की न्यायिक हिरासत, ईडी ने मांगी जेल में पूछताछ की अनुमति

सौरभ शर्मा चेतन सिंह गौर शरद जायसवाल

भोपाल (नप्र)। आरटीओ के पूर्व कॉन्स्टेबल सौरभ शर्मा, उसके सहयोगी चेतन सिंह गौर और शरद जायसवाल को मंगलवार दोपहर करीब 12 बजे लोकायुक्त कोर्ट में पेश किया गया। यहां करीब एक घंटे चली सुनवाई के बाद जज आरपी मिश्रा ने तीनों आरोपियों को 17 फरवरी तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया। जेल में तीनों को एक साथ रखा गया है।

कोर्ट रूम में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और आयकर विभाग (आईटी) के अधिकारी भी मौजूद रहे। केस को सुनने के लिए बड़ी संख्या में वकील भी थे।इससे पहले मंगलवार सुबह लोकायुक्त की टीम सौरभ, चेतन और शरद को लेकर मेडिकल चेकअप के लिए हमीदिया अस्पताल पहुंची। यहां से तीनों को दो गाड़ियों में कोर्ट ले जाया गया। पीछे के रास्ते से कोर्ट में दाखिल कराया। पेशी के बाद लोकायुक्त के अधिकारी इसी रास्ते से कोर्ट से बाहर निकले।सौरभ और चेतन को 28 जनवरी को लोकायुक्त ने कोर्ट में पेश कर छह दिन की रिमांड पर लिया था जबकि 29 जनवरी को शरद की 5 दिन की रिमांड दी गई थी।

ईडी ने जरूरत पड़ने पर पूछताछ की अनुमति मांगी

ईडी की ओर से कोर्ट में एक आवेदन लगाया गया है। इसमें जरूरत पड़ने पर तीनों आरोपियों से समय-समय पर जेल में पूछताछ की अनुमति मांगी गई है। कोर्ट ने फिलहाल इस आवेदन को सुनवाई के लिए रख लिया है।

कर्मचारी, रिश्तेदारों को आरोपी बनाया जा सकता है

सूत्रों के मुताबिक, अब लोकायुक्त मेमोरेंडम में सौरभ के अन्य कर्मचारी, रिश्तेदार और करीबी परिचितों को भी आरोपी बनाया जा सकता है। सौरभ की कंपनियों में 50 से अधिक कर्मचारी थे। जिनकी सूची लोकायुक्त ने तैयार कर ली है। सौरभ के 18 खास रिश्तेदारों को भी नोटिस तामील किए जा चुके हैं।

॥ मंदिरम् ॥ 28

मतंगेश्वर मंदिर, खजुराहो

एक ऐसा शिवलिंग जो साल दर साल बढ़ता जा रहा है। मतंगेश्वर मंदिर नौवीं शताब्दी का भगवान शिव मंदिर है, जो भारत के मध्य प्रदेश में स्थित खजुराहो के प्रसिद्ध मंदिर समूह का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। चंदेल राजवंश के चंद्र देव ने इस मंदिर का निर्माण करवाया था। राजा भगवान शिव के भक्त थे। भगवान शिव को ऋषिमतंग के रूप में पूजा जाता है, यही वजह है कि शिव लिंगम का नाम मतंगेश्वर रखा गया। भगवान शिव को समर्पित यह मंदिर एएसआई परिसर के बाहर स्थित है और खजुराहो मंदिर समूह के खूबसूरत मंदिरों में से एक है। यह मंदिर इस मायने में अनोखा है कि यह अभी भी पूजा का एक सक्रिय स्थल है, जबकि खजुराहो के अन्य स्मारकों का अब भक्ति उद्देश्यों के लिए उपयोग नहीं किया जाता है। भगवान शिव को समर्पित मतंगेश्वर मंदिर में एक बड़ा लिंगम है जो लगभग 8 फीट ऊंचा है। यह उत्तर भारत के सबसे बड़े लिंगमों में से एक है, जो अत्यधिक पॉलिश किए गए पीले बलुआ पत्थर से बना है। यह मंदिर महाशिवरात्रि के दौरान भारी भीड़ के लिए भी प्रसिद्ध है।

आईएएस, आईएफएस के बाद अब होगी आईपीएस सर्विस मीट

भोपाल (नप्र)। दिसम्बर में आईएएस, जनवरी में आईएफएस सर्विस मीट के बाद अब फरवरी में आईपीएस अफसरों की सर्विस मीट होगी। 7 फरवरी को मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव दो दिन तक चलने वाली इस सर्विस मीट का शुभारंभ करेंगे। पहले दिन स्टडी सेशन में मॉडर्न टेक्नोलॉजी के जरिए क्राइम कंट्रोल को लेकर पुलिस अफसरों का ट्रेनिंग प्रोग्राम तय किया गया है। इस सर्विस मीट में डीजीपी कैलाश मकवाना समेत सभी आईपीएस अफसर परिवार सहित शामिल होंगे। उद्घाटन सत्र कुशाभाऊ ठाकरे कन्वेंशन सेंटर में होगा। जबकि बाकी कार्यक्रम पुलिस आफिसर्स मेस में किए जाएंगे। पहले दिन ही एमपी पुलिस के मॉडल इन्वेस्टिगेशन और मॉडल पुलिस वर्किंग को भी पुलिस अफसरों के सामने प्रजेंटेशन के माध्यम से बताया जाएगा। आठ फरवरी को पुलिस आफिसर्स मेस में कल्चरल एक्टिविटीज का आयोजन किया गया है।

बसंत के आते ही आम बौराए गए हैं। फोटो- प्रवीण वाजपेयी

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने माँ नर्मदा जयंती पर किया पूजन

प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि की कामना की

भोपाल (नप्र)। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने माँ नर्मदा जयंती के शुभ अवसर पर तुलसी नगर स्थित माँ नर्मदा मंदिर में विधि-विधान से माँ नर्मदा का पूजन-अर्चन किया। इस पावन अवसर पर उन्होंने माँ नर्मदा से प्रदेशवासियों की सुख, समृद्धि एवं कल्याण की कामना की। इस अवसर पर श्री नर्मदा सेवा समाज द्वारा मंदिर परिसर में तैयार किए गए 'मध्यप्रदेश के ब्राह्मण समाज के स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों की शौर्य गाथा' के भित्ति चित्र का उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने अनावरण किया।

कूनो में चीता वीरा ने दो शावकों को जन्म दिया

देश में जन्मे चीते मौजूदा अफ्रीकी चीतों से ज्यादा, 14 शावक-12 युवा समेत 26 हुए

शिवपुरी/भोपाल (नप्र)। अफ्रीका से कूनो नेशनल पार्क में कुल 20 चीते लाए गए थे। इनमें से पहले आठ चीते नामीबिया से और फिर 12 चीते दक्षिण अफ्रीका से लाए गए थे। श्योपुर जिले के कूनो नेशनल पार्क में मंगलवार को 2 नए चीता शावकों की किलकारी गूंजी है। मादा चीता वीरा ने 2 नन्हें शावकों को जन्म दिया है। इस तरह कूनो में अब 14 शावकों और 12 वयस्क चीतों के साथ कुल संख्या 26 हो गई है। केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव और मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने चीतों की धरती में 2 नए चीतों के आगमन पर खुशी जताते हुए अधिकारियों, चिकित्सकों और फील्ड स्टाफ को इन पर नजर रखने के लिए कहा है।

सीएम मोहन यादव ने एक्स पर साझा की फोटो- सीएम मोहन यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर दोनों शावकों की तस्वीर शेयर करते हुए

लिखा है- नन्हे चीतों की किलकारी से फिर गूंजा कूनो। मध्यप्रदेश की 'जंगल बुक' में 2 चीता शावकों की दस्तक। सीएम ने लिखा- मुझे ये जानकारी साझा करते हुए काफी खुशी हो रही है कि मध्यप्रदेश की धरती पर चीतों की संख्या लगातार बढ़ रही है।

आज मादा चीता वीरा ने 2 नन्हे शावकों को जन्म दिया है। मध्यप्रदेश की धरती पर चीता शावकों का स्वागत है। प्रदेशवासियों को इन नन्हे शावकों के आगमन पर हार्दिक बधाई देता हूं। सीएम यादव ने प्रोजेक्ट से जुड़े सभी अधिकारियों, चिकित्सकों और फील्ड स्टाफ को बधाई दी।

उन्होंने लिखा- इनके अथक परिश्रम के परिणामस्वरूप आज मध्यप्रदेश को 'चीतों की धरती' के नाम से भी जाना जाता है। चीतों का कुनबा निरंतर बढ़ने से प्रदेश के पर्यटन को नई उड़ान मिल रही है, जिससे रोजगार के नये द्वार खुल रहे हैं। हम चीतों के साथ ही सभी वन्यजीवों के संरक्षण, संवर्धन और पुनर्स्थापना के लिए हमेशा तैयार हैं।

केंद्रीय वन मंत्री बोले- दोनों शावकों का स्वागत- केंद्रीय वन और पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने भी कूनो में चीतों के आगमन को लेकर एक्स पर पोस्ट किया। उन्होंने कहा- बसंत ऋतु की शुरुआत के साथ कूनो की हवा में अंतहीन खुशी और उत्साह भर जाता है। हम कूनो राष्ट्रीय उद्यान में दो नए चीता शावकों के आगमन का स्वागत करते हैं।

जंगली सूअर का पीछा करते कुएं में गिरी बाघिन एक ही खाट में बैठकर बची दोनों की जान

पेंच टाइगर रिजर्व की टीम ने 5 घंटे में किया रेस्क्यू बाद में बाघिन को नौरादेही अभ्यारण में छोड़ा गया

सिवनी (नप्र)। पेंच टाइगर रिजर्व के पास एक गांव में कुएं में गिरी बाघिन और जंगली सुअर को

रेस्क्यू दल ने सुरक्षित बचा लिया है। 60 से अधिक अधिकारी-कर्मचारियों और पुलिस बल की मदद से लगभग चार घंटे में बचाव अभियान पूरा किया गया। खवासा बफर परिक्षेत्र से लगे हरदुआ (पिपरिया) गांव में मंगलवार सुबह जंगल से शिकार का पीछा करते हुए बाघिन और सूअर दोनों कुएं में गिर गए थे। हाइड्रोलिक क्रेन से पिंजरे को कुएं में डालकर बाघिन और जंगली सूअर को सुरक्षित बचाया गया। रेस्क्यू अभियान चार घंटे चला। बाघिन नौरादेही अभ्यारण में छोड़ जाएगी।

वन विभाग कर रहा रेस्क्यू: जिले के कुरई वन परिक्षेत्र के हरदुली (पिपरिया) गांव में शिकार का पीछा करते एक बाघिन खेत में बने कुएं में गिर गई। जंगली सूअर भी कुएं में जा गिरा।